मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 41
मंगलवार, 18 अगस्त 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

नितिन नवीन की नई टीम घोषितः स्मृति ईरानी, वसुंधरा और राम माधव को बड़ी जिम्मेदारी, 12 महिला नेताओं को मौका

नई दिल्ली, 17 अगस्त। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को पार्टी के नए राष्ट्रीय पदाधिकारियों के नामों का एलान कर दिया। पार्टी की ओर से जारी सूची के मुताबिक, नई टीम में कई वरिष्ठ नेताओं को अहम जिम्मेदारियां दी गई हैं। नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। नई टीम में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया समेत 13 नेताओं को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं स्मृति ईरानी और विनोद तावड़े को राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा की ओर से जारी सूची के अनुसार, वसुंधरा राजे सिंधिया, तीरथ सिंह रावत, राम माधव, बैजयंत जय पांडा, डी. पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, वषार्बेन नरेंद्रभाई दोशी, डॉ. भारती प्रवीण पवार, सरदार मनप्रीत सिंह बादल, लाल सिंह आर्य, प्रो. एम. नागराजा, प्रो. तारिक मंसूर और डॉ. मधुचंद्र कर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है।

इस सूची में अलग-अलग राज्यों के नेताओं को जगह दी गई है, जिससे संगठन में क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व का भी ध्यान रखा गया है।नई टीम में स्मृति ईरानी और विनोद तावड़े को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है। दोनों नेताओं को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी की जारी सूची में बीएल संतोष को राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) के पद पर बरकरार रखा गया है। वहीं शिवप्रकाश और सौदान सिंह को राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री (संगठन) की जिम्मेदारी दी गई है।नई राष्ट्रीय टीम में महिला नेताओं की भी अच्छी

भागीदारी दिखाई देती है। वसुंधरा राजे सिंधिया, डी. पुरंदेश्वरी, रेखा वर्मा, वषार्बेन नरेंद्रभाई दोशी, डॉ. भारती प्रवीण पवार और डॉ. मधुचंद्र कर को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं स्मृति ईरानी को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया है। इस तरह पार्टी की नई संगठनात्मक टीम में कई महिला नेताओं को महत्वपूर्ण राष्ट्रीय जिम्मेदारियां मिली हैं।भाजपा की नई सूची में राजस्थान, उत्तराखंड, दिल्ली, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों के नेताओं को शामिल किया गया है। पार्टी के केंद्रीय संगठन में अलग-अलग राज्यों के नेताओं को जिम्मेदारी दिए जाने से राष्ट्रीय स्तर पर संगठन के विस्तार और समन्वय को मजबूत करने का संकेत मिलता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों और पार्टी में विभिन्न जिम्मेदारियां संभालने वाले नेताओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि नई टीम में संगठन का अनुभव, नई ऊर्जा और जमीनी स्तर से जुड़ाव का बेहतर तालमेल देखने को मिल रहा है।

पीएम मोदी ने विश्वास जताया कि नवनियुक्त पदाधिकारी पार्टी को और मजबूत करने के लिए पूरी क्षमता से काम करेंगे। उन्होंने कहा कि नई टीम का ध्यान जनसेवा पर भी केंद्रित रहेगा। प्रधानमंत्री ने सभी नेताओं को उनकी नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं।

महाराष्ट्र के विकास पर पीएम मोदी से मिले देवेंद्र फडणवीस, केंद्र से माँगा और सहयोग

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात का मकसद राज्य में चल रही कई विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना और केंद्र-राज्य की संयुक्त पहलों के लिए अधिक सहयोग की मांग करना था। बैठक के बाद, फडणवीस ने इस बातचीत को प्रेरणादायक बताया और महाराष्ट्र के विकास के रोडमैप के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि आज नई दिल्ली में मैंने हमारे वैश्विक नेता और देश के प्रिय प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी से मुलाकात की। हमने कई विषयों पर विस्तार से चर्चा की। मैंने उन्हें कई विकास परियोजनाओं की प्रगति के बारे में बताया और केंद्र-राज्य की संयुक्त परियोजनाओं के लिए भारत सरकार से और अधिक सहयोग का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र के विकास को दिशा देने में प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन के महत्व पर जोर दिया और केंद्र सरकार से मिल रहे लगातार सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हमेशा की तरह, प्रधानमंत्री जी से मिलना प्रेरणादायक रहा और इससे सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। विकास से जुड़े मुद्दों पर लगातार और बहुमूल्य मार्गदर्शन तथा महाराष्ट्र को मजबूत समर्थन देने के लिए मैं उनका सदैव आभारी हूँ! दिल्ली में बातचीत के बाद, फडणवीस मंगलवार को मुंबई लौटेंगे और इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स (IACC) के नेशनल कन्वेंशन 2026 में उद्घाटन भाषण देंगे।

'द ललित मुंबई' में होने वाले इस कन्वेंशन का विषय भारत-अमेरिका व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नए सिरे से परिभाषित करना है और इसमें भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर समेत कई जाने-माने वक्ता शामिल होंगे। इस कार्यक्रम का मकसद भारत और अमेरिका के बीच आपसी व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग के भविष्य को प्राथमिकता देना है।

राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से राहत, आय से अधिक संपत्ति मामले में हाईकोर्ट की कार्यवाही पर रोक

नई दिल्ली, 17 अगस्त। उच्चतम न्यायालय ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को राहत देते हुए सोमवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय से कहा कि वह कांग्रेस नेता के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति के मामले में कार्यवाही न करे। शीर्ष अदालत ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से भी कहा कि वे गांधी के खिलाफ दर्ज मामले के संबंध में उच्च न्यायालय के निदेशों के अनुपालन में कोई रिपोर्ट दाखिल न करें। प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने गांधी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की दलीलों पर गौर किया और सीबीआई, ईडी तथा उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने वाले कर्नाटक निवासी एस. विग्नेश शिशिर को नोटिस जारी किया।

पीठ उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ गांधी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसने उच्च न्यायालय को निर्देश दिया कि वह उच्चतम न्यायालय में सुनवाई की अगली तारीख तक अपने यहाँ होने वाली कार्यवाही को टाल दे। सिब्बल ने शुरू में कहा, कानून में ऐसी किसी प्रक्रिया का कोई प्रावधान नहीं है।यह किसी को निशाना बनाकर परेशान करने वाली प्रक्रिया है, जिसे कानून मान्यता नहीं देता। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यही याचिकाकर्ता बार-बार ऐसे प्रयास कर रहा है। उन्होंने उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने की विग्नेश शिशिर की पात्रता पर सवाल उठाया। वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा, मैं बस इतना ही कह सकता हूँ कि सीबीआई ने शिकायत की पुष्टि करने के अलावा और कुछ नहीं किया है। केंद्रीय जांच एजेंसियों की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने कहा कि इस मामले में अब तक उनकी कोई भूमिका नहीं रही है, और अगर शिकायत से संज्ञेय अपराध होने का पता चलता है, तो यह बहुत गंभीर बात है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, हमें उससे कोई लेना-देना नहीं है... मान लीजिए कोई हत्या वगैरह करता है, तो पुलिस को अनुमति की आवश्यकता नहीं होती। लेकिन हमें जो लगता है, वह यह है कि दोनों पक्षों से मिलने वाली मदद के आधार पर, अगर अदालत कोई निर्देश जारी करना चाहती है, तो उससे नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत का पालन करने की उम्मीद की जाती है।

अब विवेचना में कागज नहीं, डिजिटल साक्ष्य बोलेगा

◆डीजीपी के निर्देश से पुलिस जांच में पारदर्शिता की नई कसौटी—तलाशी, जब्ती, घटनास्थल निरीक्षण से बयान तक डिजिटल रिकॉर्ड; सात साल या अधिक सजा वाले अपराधों में फॉरेंसिक जांच पर जोर

सुरेश गांधी

वाराणसी। पुलिस विवेचना की सबसे बड़ी ताकत साक्ष्य है और सबसे बड़ी कमजोरी भी तब बन जाती है, जब साक्ष्य के संकलन, संरक्षण या प्रस्तुतीकरण पर सवाल उठने लगें। वर्षों से अदालतों में इस बात को लेकर बहस होती रही है कि घटनास्थल पर वास्तव में क्या मिला, तलाशी कैसे हुई, जब्ती के समय कौन मौजूद था, बयान में क्या कहा गया और विवेचक ने उसे किस रूप में दर्ज किया। अब उत्तर प्रदेश पुलिस इस पुरानी व्यवस्था को तकनीक के सहारे बदलने की कोशिश में है। डीजीपी राजीव कृष्ण के ताजा निदेशों में विवेचना के दौरान डिजिटल साक्ष्यों के इस्तेमाल, उन्हें ई-साक्ष्य एप पर अपलोड करने और जरूरत के अनुसार एफआईआर से लिंक करने पर विशेष जोर दिया गया है। यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि मामला केवल मोबाइल से वीडियो बनाने का नहीं, बल्कि पूरी विवेचना को अधिक जवाबदेह और प्रमाण आधारित बनाने का है। तलाशी, जब्ती, निरीक्षण और अन्य कार्रवाई के दौरान तैयार डिजिटल सामग्री अब महज मोबाइल की गैलरी में पड़ी फाइल नहीं रहेगी, बल्कि निर्धारित डिजिटल प्रणाली में सुरक्षित साक्ष्य के रूप में दर्ज होगी। ई-साक्ष्य एप को इसी उद्देश्य से विकसित किया गया है और इसका इस्तेमाल साक्ष्य, गवाहों के वीडियो तथा तस्वीरों को वास्तविक समय में कैप्चर करने, संरक्षित करने और सत्यापन योग्य बनाने के लिए किया जा रहा है। एप को जुलाई 2026 में भी अपडेट किया गया है।

यह व्यवस्था अचानक सामने नहीं आई है। नए आपराधिक कानून लागू होने के बाद पुलिस विवेचना में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग की भूमिका लगातार बढ़ाई गई। यूपी पुलिस के फरवरी 2026 के आधिकारिक निदेशों में तलाशी-जब्ती, घटनास्थल निरीक्षण और अन्य कार्रवाई के दौरान संकलित डिजिटल साक्ष्यों को ई-साक्ष्य एप पर सुरक्षित करने की प्रक्रिया का उल्लेख है।

इसके बाद जून 2026 में भी डीजीपी स्तर से अधिकारियों को यह समझाया गया कि ई-साक्ष्य विवेचना की आत्मा हैं और जांच के दौरान इनके संकलन व संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाए। यानी अगस्त के ताजा निर्देश पहले से चल रही डिजिटल विवेचना को और सख्त तथा व्यावहारिक बनाने की अगली कड़ी हैं।

इस पूरी कवायद का एक और बेहद महत्वपूर्ण पहलू गवाहों के बयान से जुड़ा है। 30 जुलाई 2026 के इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के बाद डीजीपी ने निर्देश दिया है कि गवाह जिस भाषा और बोली में घटना बताए, विवेचक उसे उसी रूप में दर्ज करे। विवेचक अपनी ओर से शब्द जोड़कर बयान का स्वरूप नहीं बदल सकेगा। सवाल भी केवल तथ्य स्पष्ट करने के लिए पूछे जा सकेंगे, गवाह को उत्तर सुझाने या उसके खिलाफ तथ्य उगलवाने की कोशिश नहीं की जा सकेगी।

यहीं डिजिटल रिकॉर्ड की अहमियत और बढ़ जाती है। यदि किसी महत्वपूर्ण बयान की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग भी उपलब्ध है तो बाद में यह जांचना संभव होगा कि गवाह ने वास्तव में क्या कहा था और लिखित बयान में क्या दर्ज हुआ। इससे पुलिस और गवाह दोनों के लिए एक अतिरिक्त सुरक्षा कवच तैयार होगा। **सबसे बड़ा फायदा—विवेचना की जवाबदेही:** इस व्यवस्था का सबसे सकारात्मक पक्ष यही है कि विवेचना अब केवल विवेचक की डायरी और कागजी दस्तावेजों तक सीमित नहीं रहेगी। मौके की तस्वीर, वीडियो, जब्ती की प्रक्रिया, गवाहों की मौजूदगी और कार्रवाई का क्रम डिजिटल रिकॉर्ड का हिस्सा बन सकते हैं।

इससे फर्जी बरामदगी, मौके की कार्रवाई पर विवाद, पंचनामा तैयार करने के तरीके अथवा घटनास्थल के स्वरूप को लेकर उठने वाले सवालों की जांच में मदद मिल सकती है। अदालत में भी डिजिटल रिकॉर्ड विवेचना की कड़ियों को जोड़ने में उपयोगी साबित हो सकता है। पहले महत्वपूर्ण डिजिटल सामग्री पेन ड्राइव, सीडी या अन्य माध्यमों से सुरक्षित रखने की चुनौती रहती थी; ई-साक्ष्य व्यवस्था का उद्देश्य इस प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित बनाना है।

लेकिन तकनीक अपने आप न्याय नहीं देती: यहीं इस व्यवस्था की सबसे बड़ी चुनौती भी है। कैमरा पारदर्शिता का माध्यम है, सत्य की गारंटी नहीं। यदि पुलिसकर्मी को यह प्रशिक्षण ही नहीं है कि कौन-सा दृश्य साक्ष्य के लिए महत्वपूर्ण है, रिकॉर्डिंग किस क्रम में होनी चाहिए और डिजिटल सामग्री की शुचिता कैसे बनाए रखनी है, तो अत्यधिक वीडियो भी कमजोर विवेचना की भरपाई नहीं कर पाएंगे। दूसरी चुनौती है—तकनीकी दक्षता। ग्रामीण और दूरदराज के थानों में नेटवर्क, मोबाइल उपकरण, बैटरी, स्टोरेज और अपलोडिंग जैसी व्यावहारिक दिक्कतें सामने आ सकती हैं। पुलिसकर्मियों पर पहले से काम का दबाव है; यदि ई-साक्ष्य केवल अतिरिक्त कागजी खानापूर्ति का डिजिटल रूप बन गया तो उद्देश्य कमजोर पड़ जाएगा। इसलिए प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता और पर्यवेक्षण उतने ही जरूरी हैं जितना एप का होना। **डिजिटल साक्ष्य की सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी:** डिजिटल साक्ष्य जितना शक्तिशाली है, उतना ही संवेदनशील भी। किसी अपराध स्थल का वीडियो, पीड़ित की तस्वीर, गवाह की पहचान अथवा निजी बातचीत जैसी सामग्री लीक होती है तो उससे न्याय की प्रक्रिया के साथ-साथ नागरिक की निजता भी प्रभावित हो सकती है। इसलिए किसे डिजिटल साक्ष्य देखने की अनुमति होगी, रिकॉर्ड कब और कैसे सुरक्षित रहेगा, उसमें छेड़छाड़ की स्थिति कैसे पकड़ी जाएगी और अदालत में उसकी प्रमाणिकता कैसे साबित होगी—इन सवालों के स्पष्ट और मजबूत सुरक्षा प्रोटोकॉल जरूरी हैं।

दाऊद इब्राहिम के करीबी अख्तर मर्चेंट को दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार, 3 साल से था फरार

नई दिल्ली, 17 अगस्त। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के करीबी बताए जा रहे अख्तर मर्चेंट को दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया गया है। वह 2023 में मीरा-भाईंदर के काशीमीरा इलाके में हुई बेकरी फायरिंग और रंगदारी के मामले में करीब तीन साल से फरार चल रहा था। पुलिस के मुताबिक, इंटरपोल से मिली जानकारी के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही थी।

पुलिस के अनुसार, अख्तर मर्चेंट विदेश में छिपा हुआ था और उसके भारत लौटने की सूचना मिलने के बाद दिल्ली एयरपोर्ट पर निगरानी बढ़ाई गई। जैसे ही वह भारत पहुंचा, पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। अब उसे मीरा-भाईंदर लाया जाएगा, जहां उससे मामले को लेकर पूछताछ

की जाएगी। यह मामला साल 2023 का है। काशीमीरा इलाके में स्थित इंटेनॅशनल बेकरी में फायरिंग की गई थी। पुलिस की जांच में सामने आया था कि इलाके में रहने वाले गुटखा विक्रेता बाबू से रंगदारी मांगी गई थी। पुलिस के मुताबिक, रंगदारी की मांग पूरी नहीं होने पर बाबू की बेकरी को निशाना बनाकर फायरिंग की गई थी। इस मामले में काशीमीरा पुलिस स्टेशन में FIR नंबर 700/2023 दर्ज की गई थी। आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास, रंगदारी, आपराधिक साजिश और अन्य धाराओं के साथ आर्म्स एक्ट और महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की गई है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
● Std. XI & XII (Sci.)
● NEET
● JEE (Main & Advance)
● MHT-CET
● Polytechnic & Engg
● Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

अल्पसंख्यकों की असुरक्षा से आतंकवाद तक पाक का यथार्थ

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी का स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिया गया हालिया बयान केवल एक जहरीली एवं कड़वी राजनीतिक टिप्पणी ही नहीं है, बल्कि पाकिस्तान की उस मानसिकता का आईना है, जिसमें भारत के प्रति कटुता, अविश्वास, नफरत और वैचारिक विरोध आज भी गहरे पैठे हुए हैं। जरदारी ने अखंड भारत की अवधारणा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि भारतीय इसमें विश्वास करते हैं, लेकिन वे मुसलमान होने के नाते इससे सहमत नहीं हैं। साथ ही उन्होंने पाकिस्तान में हिंदुओं के सुरक्षित और सुखी होने का दावा भी किया। सवाल यह है कि दुनिया किसी राष्ट्राध्यक्ष के दावे पर विश्वास करे या आंकड़ों और जमीन पर दिखाई देने वाली वास्तविकता पर? इतिहास का न्याय भावनाओं से नहीं, तथ्यों से होता है। और पाकिस्तान के संदर्भ में जनसांख्यिकी, अल्पसंख्यकों की स्थिति, धार्मिक स्वतंत्रता और आतंकवाद-ये चारों क्षेत्र ऐसे आईने हैं जिनमें उसकी अपनी तस्वीर साफ दिखाई देती है।

-ललित गर्ग

1947 में जब पाकिस्तान वजूद में आया एवं 1951 की जनगणना में पूरे तत्कालीन पाकिस्तान में हिंदुओं की हिस्सेदारी लगभग 14.6 प्रतिशत थी, पाकिस्तान की 2023 की आधिकारिक जनगणना में हिंदू जाति की आबादी 3,867,729 और अनुसूचित जाति की आबादी 1,349,487 दर्ज की गई है। कुल आबादी 240.46 मिलियन है। इन दोनों श्रेणियों को जोड़ें तो हिस्सा लगभग 2.17 प्रतिशत बैठता है। अर्थात आज के पाकिस्तान में हिंदू समुदाय की जनसंख्या हिस्सेदारी अत्यंत सीमित रह गई है। इसके विपरीत भारत की स्थिति को भी तथ्यों के साथ ही देखना चाहिए। भारत की अंतिम प्रकाशित पूर्ण जनगणना 2011 की है। उसमें मुस्लिम आबादी 14.23 प्रतिशत, यानी 17.22 करोड़ दर्ज हुई थी। यही वह बिंदु है जहां भारत और पाकिस्तान के बीच वास्तविक अंतर सामने आता है। भारत ने धर्म के आधार पर नागरिकता की अवधारणा को राज्य की नागरिकता का आधार नहीं बनाया। संविधान ने हर नागरिक को समान नागरिक अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता और अपनी आस्था के पालन की स्वतंत्रता दी। भारत में मुसलमानों ने राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, न्यायपालिका, सेना, शिक्षा, उद्योग, कला, खेल और प्रशासन सहित जीवन के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। इसके विपरीत पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों की स्थिति पर अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं की रिपोर्टें गंभीर प्रश्न उठाती हैं। ह्यूमन राइटस वाच की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान में ईशनिंदा कानूनों के दुरुपयोग ने धार्मिक अल्पसंख्यकों को हिंसा, मनमानी गिरफ्तारी और सामाजिक दबाव के प्रति अत्यंत संवेदनशील बना दिया है। रिपोर्ट में हिंदुओं, ईसाइयों और अहमदियों सहित अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा और जबरन विवाह-धर्मांतरण जैसी समस्याओं का उल्लेख है। 2023 में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के जरनवाला में ईशनिंदा के आरोपों के बाद चर्चों और ईसाई घरों पर भीड़ के हमले हुए। ह्यूमन राइटस वाच ने पाकिस्तान में ईशनिंदा कानूनों के इस्तेमाल से अल्पसंख्यकों की संपत्ति पर कब्जे और उन्हें घर छोड़ने के लिए मजबूर किए जाने के मामलों का भी दस्तावेजीकरण किया है। ऐसे में जरदारी का यह कहना कि पाकिस्तान के हिंदू बहुत खुश हैं, एक झूठा, गुमराह करने वाला एवं भ्रामक राजनीतिक दावा तो हो सकता है, लेकिन उसे व्यापक तथ्यात्मक प्रमाण की कसौटी पर परखा जाना चाहिए। किसी देश में अल्पसंख्यक सुरक्षित हैं या नहीं, इसका प्रमाण केवल राष्ट्राध्यक्ष का बयान नहीं, बल्कि उनके नागरिक अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता, मंदिरों और पूजा स्थलों की सुरक्षा, कानून के सामने समानता तथा भयमुक्त जीवन है।

भारत में सरकारों के खिलाफ मुसलमानों एवं अन्य अल्पसंख्यकों के द्वारा आवाज उठाई जा सकती है, न्यायालयों में चुनौती दी जा सकती है। यही लोकतांत्रिक भारत और धार्मिक-सामुदायिक असुरक्षा से जूझते पाकिस्तान के बीच बुनियादी अंतर है। दूसरा बड़ा प्रश्न पाकिस्तान के भारत-विरोधी आतंकवाद का है। पिछले कई दशकों में सीमा पार आतंकवाद भारत की सुरक्षा के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में रहा है। संसद पर हमला, मुंबई हमले, पठानकोट, उरी, पुलवामा और जम्मू-कश्मीर में लगातार हिंसक घटनाएं इस समस्या का हिस्सा रही हैं। 2019 में पुलवामा हमले के बाद भारत ने बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के प्रशिक्षण शिविर पर कार्रवाई की। विदेश मंत्रालय ने उस समय स्पष्ट किया था कि पाकिस्तान की जमीन पर चल रहे आतंकवादी ढांचे के विरुद्ध कार्रवाई की गई क्योंकि पाकिस्तान उन्हें नष्ट करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहा था। 2025 में पहलगाम के आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सुरक्षा नीति में एक और महत्वपूर्ण परिवर्तन का संकेत दिया।

22 अप्रैल 2025 के हमले में 26 लोगों की हत्या के बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत जम्मू-कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। भारत सरकार ने इसे आतंकवादी ढांचे के विरुद्ध लक्षित और नियंत्रित कार्रवाई बताया। यह परिवर्तन केवल सैन्य कार्रवाई तक सीमित नहीं है। भारत ने आतंकवाद के साथ-साथ उसके वित्तीय और नशीले पदार्थों के नेटवर्क पर भी ध्यान केंद्रित किया है। सरकार ने विदेशी तत्वों द्वारा नशीले पदार्थों को सीमा पार भेजकर नार्को-टेरर को वित्त उपलब्ध कराने की बात कही है। यहां भारत की चुनौती केवल सीमा पर बंदूक लेकर खड़े आतंकवादी से नहीं है। चुनौती उस पूरे तंत्र से है जिसमें आतंकवाद, हथियार, ड्रोन, नशीले पदार्थ, फर्जी सूचनाएं और सामाजिक विभाजन-सब एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। पिछले एक दशक से अधिक समय में भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही है कि उसने पाकिस्तान को यह संदेश दिया है कि आतंकवाद और बातचीत को समानांतर रास्तों पर नहीं चलाया जा सकता। 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट कार्रवाई और 2025 का ऑपरेशन सिंदूर अलग-अलग घटनाएं जरूर हैं, लेकिन इनके पीछे एक समान संदेश दिखाई देता है-भारत अब आतंकवाद को केवल सहने या निंदा करने तक सीमित नहीं रहेगा। इस बदले हुए भारत की तस्वीर पाकिस्तान की बेचैनी को समझने के लिए भी महत्वपूर्ण है। भारत की अर्थव्यवस्था, तकनीकी क्षमता, अंतरिक्ष कार्यक्रम, रक्षा उत्पादन, डिजिटल बुनियादी ढांचा, वैश्विक कूटनीति और रणनीतिक प्रभाव लगातार बढ़ रहे हैं। आज भारत को विश्व राजनीति में केवल दक्षिण एशिया की शक्ति के रूप में नहीं, बल्कि वैश्विक निर्णय-प्रक्रिया के महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में देखा जाता है। पाकिस्तान की समस्या केवल यह नहीं है कि भारत उससे आर्थिक और सामरिक रूप से आगे निकल रहा है, उसकी बड़ी समस्या यह है कि भारत अपनी बहुलतावादी लोकतांत्रिक पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है।

जरदारी का बयान इसलिए भी विचारणीय है कि पाकिस्तान को भारत के भीतर की विविधता पर टिप्पणी करने से पहले अपने घर के भीतर झांकना चाहिए। भारत में मुसलमानों की आबादी बढ़ती आबादी का तथ्य स्वयं बताता है कि भारत में मुस्लिम समुदाय का अस्तित्व, विस्तार और सामाजिक जीवन किसी हाशियाग्रस्त की कहानी नहीं है। दूसरी ओर पाकिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर आज भी अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाएं गंभीर चिंता व्यक्त कर रही हैं। इसलिए दुनिया के उन देशों को भी पाकिस्तान के प्रति अपनी नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए, जो केवल रणनीतिक या राजनीतिक हितों के कारण उसकी हर बात का समर्थन करते हैं। किसी राष्ट्र का मूल्यांकन उसके भाषणों से नहीं, उसके व्यवहार से होना चाहिए। यदि कोई देश एक तरफ आतंकवाद के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रतिबद्धता जताए और दूसरी तरफ उसकी धरती से सक्रिय आतंकी नेटवर्क लगातार पड़ोसी को निशाना बनाते रहें, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को केवल कूटनीतिक शब्दों से संतुष्ट नहीं होना चाहिए। भारत की शक्ति का अर्थ किसी धर्म या देश के प्रति घृणा नहीं, बल्कि अपने नागरिकों की सुरक्षा, सीमाओं की रक्षा और आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई है। भारत के मुसलमान भी उतने ही भारतीय हैं जितने हिंदू, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध और अन्य समुदाय। आज पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न भारत नहीं, बल्कि स्वयं पाकिस्तान है-वह कब यह स्वीकार करेगा कि आतंकवाद को विदेश नीति का औजार बनाना अंततः उसी समाज को अस्थिर करता है जिसने उसे जन्म दिया? पाकिस्तान में आतंकवादी संगठनों की हिंसा का दंश स्वयं वहां के नागरिक भी झेल रहे हैं। ह्यूमन राइटस वाच के अनुसार 2025 में पाकिस्तान में विभिन्न उग्रवादी संगठनों के हमलों में सैकड़ों लोग मारे गए। जरदारी को भारत के अखंड भारत की चिंता करने से पहले अपने वर्तमान पाकिस्तान की अखंडता, शांति और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की चिंता करनी चाहिए। इतिहास का सबसे बड़ा व्यंग्य यही है कि जो राष्ट्र भारत की एकता पर प्रश्न उठाता है, वह स्वयं आतंकवाद, राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक संकट और सामाजिक विभाजन से जूझता रहा है।

आस्था का मंदिर क्यों बन जाता है 'मौत का कुआँ'?

अशोक भाटिया

सभ्यता के विकास के साथ ही भारत में मंदिर, चेतना और आध्यात्मिक शांति के सर्वोच्च केंद्र रहे हैं। जब एक आम श्रद्धालु अपने घर से किसी भी तीर्थस्थल की ओर कदम बढ़ाता है, तो उसके मन में केवल अगाध श्रद्धा, आत्मिक संतोष और ईश्वर के दर्शन की लालसा होती है। लेकिन क्या वजह है कि हाल के वर्षों में भारत के, और विशेषकर बिहार के पवित्र धार्मिक परिसर अचानक 'मौत के कुएँ' में तब्दील हो जाते हैं? क्यों आस्था के जयकारों के बीच अचानक चीखें, रुदन और अपनों को खोने का हाहाकार गूंजने लगता है? बिहार के लखीसराय स्थित अशोकधाम मंदिर में सावन के पावन महीने में घटित हुई ताजा विभीषिका ने एक बार फिर हमारी व्यवस्था के खोखलेपन, प्रशासनिक ढुलमुल रवैये और आपदा प्रबंधन के दावों की धंज्जियाँ उड़ाकर रख दी हैं। एक ऐसे समय में जब विज्ञान और तकनीकी प्रबंधन के जरिए दुनिया लाखों-करोड़ों की भीड़ को उंगली पर नचा सकती है, हमारे यहाँ त्योहारों और धार्मिक अवसरों पर उमड़ने वाली भीड़ को भगवान भरोसे छोड़ दिया जाता है। यह हादसा कोई पहला नहीं है और न ही अप्रत्याशित है; यह उन दर्जनों चेतावनियों की कड़वी कड़ी है जिन्हें नजरअंदाज करने की हमें आत्मघाती आदत हो चुकी है।

सावन मास के तीसरे सोमवार की सुबह, जब पूरा देश सूर्योदय के साथ महादेव के जलाभिषेक की तैयारी कर रहा था, लखीसराय का इंद्रदमनेश्वर महादेव (अशोकधाम) मंदिर परिसर चीखों से दहल उठा। सावन के इस पवित्र सोमवार पर बाबा भोलेनाथ पर जल चढ़ाने के लिए करीब 50,000 श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। मंदिर परिसर खचाखच भरा हुआ था, कतारें किलोमीटर लंबी थीं और प्रशासनिक चौकसी सिर्फ कागजों तक सीमित थी। सुबह करीब 6:30 से 6:45 के बीच जब यह हादसा हुआ, तो इसके कारणों को लेकर प्रशासन और जमीनी हकीकत यानी चश्मदीदों के बयानों में एक बड़ा विरोधाभास देखने को मिला।

लखीसराय के जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार और पुलिस प्रशासन का तर्क है कि सुबह के समय दो स्थानीय रेलगाड़ियों के अशोकधाम हॉल्ट पर पहुँचने से श्रद्धालुओं का दबाव अचानक अप्रत्याशित रूप से बढ़ गया था। प्रशासन के अनुसार, पुरुषों की कतार के दाहिनी ओर स्थित एक बिजली का खंभा अचानक गिर गया, जिससे भीड़ में यह अफवाह फैल गई कि कतार पर बिजली का चालू तार गिर गया है, जबकि वह केवल एक केबल वायर था। इसी अफवाह के बीच कुछ युवकों ने जबरन आगे बढ़ने की कोशिश में बैरिकेडिंग तोड़ दी, जिससे कतार में खड़ी महिलाएं एक-दूसरे के ऊपर गिर गईं और भगदड़ मच गई। इस भीषण कुप्रबंधन और हादसे में 8 श्रद्धालुओं की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 12 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मारे गए लोगों में महिलाओं की संख्या अधिक थी, जो कतारों में खड़ी थीं। इस पूरी घटना ने यह साफ कर दिया कि जब बुनियादी बिजली सुरक्षा, बैरिकेडिंग की मजबूती और भीड़ नियंत्रण जैसे प्राथमिक इंतजाम ही दुरुस्त न हों, तो प्रशासनिक दावों की पोल खुलने में चंद सेकंड ही लगते हैं।

लखीसराय की यह त्रासदी कोई अकेली घटना नहीं है, बल्कि बिहार में पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा के मोर्चे पर हुई आपराधिक लापरवाहियों का एक लंबा और खूनी इतिहास रहा है। यदि हम अतीत के पन्नों को पलटें, तो पाएंगे कि हर हादसे का ढर्रा बिल्कुल एक जैसा रहा है—भीड़ का अत्यधिक जुटना, किसी अफवाह या दुर्घटना का होना, और अंततः प्रशासन का लाचार होकर हाथ खड़े कर देना। उदाहरण के लिए, 12 अगस्त 2024 को जहानाबाद जिले के मखदूमपुर में स्थित बराबर पहाड़ी पर बने प्राचीन बाबा सिद्धनाथ मंदिर में ऐसी ही एक भयावह भगदड़ मची थी। सावन के सोमवार के अवसर पर ही आधी रात के बाद करीब 1:00 से 1:30 बजे के बीच यह हादसा हुआ था। पहाड़ी की संकरी सीढ़ियों और रास्तों पर हजारों श्रद्धालु जल चढ़ाने के लिए ऊपर चढ़ रहे थे, जबकि दर्शन कर चुके सैकड़ों लोग नीचे उतर रहे थे। आने और जाने का रास्ता एक होने और बेहद संकरा होने के कारण दबाव पहले से ही चरम पर था। इसी बीच स्थानीय फूल विक्रेताओं के बीच किसी बात को लेकर लाठी-डंडों से मारपीट हो गई, जिसे भीड़ ने पुलिस का लाठीचार्ज समझ लिया। इस एक अफवाह ने पहाड़ी पर मौत का तांडव शुरू कर दिया और लोग अंधेरे में संकरी सीढ़ियों पर एक-दूसरे को कुचलते हुए भागने लगे, जिससे 7 निर्दोष श्रद्धालुओं की जान चली गई थी।

इसी तरह, चैत्र मास के आखिरी मंगलवार यानी 31 मार्च 2026 को नालंदा जिले के बिहार शरीफ के मघरा इलाके में स्थित माँ शीतला माता मंदिर में एक और हृदयविदारक घटना घटी थी। शीतला अष्टमी के पावन अवसर पर सुबह-सुबह भारी संख्या में महिलाएं पूजा-अर्चना के लिए जुटी थीं। भोर से ही मंदिर प्रांगण में महिलाओं की कतारें लगी थीं और अचानक अत्यधिक भीड़ व कुप्रबंधन की वजह से अफरा-तफरी मच गई। सैकड़ों लोग एक क्षण में नियंत्रण खो बैठे और देखते ही देखते भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। चश्मदीदों ने यहाँ भी प्रशासन की विफलता और पुलिस बल की भारी कमी को हादसे का ज़िम्मेदार ठहराया था, जिसके कारण 8 महिलाओं की कुचलने और दम घुटने से मौत हो गई थी। सुरक्षा में चूक और भीड़ नियंत्रण के अभाव का एक और वीभत्स उदाहरण अक्टूबर 2023 में महा नवमी की रात को गोपालगंज में देखने को मिला था। वहाँ के प्रसिद्ध राजा दल दुर्गा पूजा पंडाल में भारी संख्या में दर्शनार्थी उमड़े थे। पंडाल के मुख्य द्वार पर अत्यधिक भीड़ हो जाने और प्रवेश व निकास की सही व्यवस्था न होने के कारण अचानक भगदड़ मच गई थी। पुलिस की प्राथमिक जाँच में स्पष्ट हुआ था कि उस विशाल और संवेदनशील पंडाल के गेट पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस कर्मियों की तैनाती नहीं की गई थी, जिसके चलते दो महिलाओं और एक मासूम बच्चे की कुचलकर मौत हो गई थी।

इन सभी पुरानी और नई घटनाओं का बारीकी से विश्लेषण करने पर कुछ ऐसे साझा और गंभीर कारण उभरकर सामने आते हैं, जो यह साबित करते हैं कि ये मौतें प्राकृतिक आपदाएं नहीं, बल्कि प्रशासनिक और ढांचागत विफलताओं के कारण हुए 'मानव-निर्मित अपराध' हैं।

इसके अलावा, किसी भी भीड़भाड़ वाले स्थान पर एक छोटी सी अफवाह बारूद में चिंगारी का काम करती है। जब अफवाह फैलती है, तो लोगों में जान बचाने के लिए भागने की स्थिति बन जाती है। ऐसे समय में भीड़ को शांत करने के लिए मंदिरों में न तो कोई प्रभावी लाउडस्पीकर सिस्टम होता है और ना ही प्रशासन तुरंत घोषणाएं करके स्थिति को संभालता है। साथ ही, बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड और स्थानीय जिला प्रशासन के बीच अक्सर जिम्मेदारी को लेकर खींचतान चलती रहती है। मंदिर समितियां अपनी कमाई और चढ़ावे पर तो पूरा नियंत्रण रखती हैं, लेकिन जब बात बुनियादी सुरक्षा व्यवस्था या सीसीटीवी कैमरे लगाने की आती है, तो वे सारा जिम्मा पुलिस-प्रशासन पर मढ़ देती हैं।

धार्मिक स्थलों पर हादसों का एक और छिपा हुआ लेकिन कड़वा सच 'वीआईपी संस्कृति' है। जब आम श्रद्धालु घंटों भूखे-प्यासे कतारों में खड़े अपनी बारी का इंतजार कर रहे होते हैं, तब प्रशासनिक अमला और मंदिर के रसूखदार लोग वीआईपी दर्शन कराने में व्यस्त होते हैं। इस चक्कर में आम कतारों को रोक दिया जाता है, जिससे पीछे से आ रही भीड़ का दबाव आगे की कतारों पर असहनीय हो जाता है।

यदि हम वास्तव में चाहते हैं कि भविष्य में कोई भी मंदिर, पंडाल या तीर्थस्थल 'मौत का कुआँ' न बने, तो हमें तात्कालिक लीपापोती से ऊपर उठकर कड़े और ठोस संरचनात्मक सुधार करने होंगे। इसके लिए सबसे पहले अनिवार्य डिजिटल पास और रियल-टाइम हेड-काउंट सिस्टम लागू करना होगा। जैसे अमरनाथ यात्रा या तिरुपति बालाजी में दर्शन की एक निश्चित संख्या तय होती है, वैसे ही बिहार के बड़े मंदिरों में भी प्रतिदिन दर्शनार्थियों की अधिकतम सीमा तय होनी चाहिए। रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों के समय के साथ समन्वय बिठाकर भीड़ के आगमन का सटीक आकलन किया जाना चाहिए। इसके साथ ही, प्रत्येक बड़े धार्मिक आयोजन से कम से कम एक महीने पहले जिला प्रशासन, विद्युत विभाग और अग्निशमन विभाग द्वारा पूरे परिसर का सेफ्टी ऑडिट अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए। कतारों वाले रास्तों से बिजली के तारों को पूरी तरह अंडरग्राउंड किया जाना चाहिए ताकि करंट लगने जैसी घटनाएं दोबारा न हों।

आस्था इंसान को जीवन जीने का संबल देती है, वह जान लेने की वजह नहीं बननी चाहिए। जब तक देश का नागरिक, समाज और प्रशासनिक तंत्र इस कड़वी हकीकत को स्वीकार नहीं करेंगे कि कुप्रबंधन ही असली हत्यारा है, तब तक प्रार्थनाओं के स्वर ऐसे ही असमय चीखों में बदलते रहेंगे। लखीसराय, जहानाबाद और नालंदा की त्रासदियां हमारे सामूहिक विवेक पर एक गहरा दाग हैं। अब समय आ गया है कि हम आस्था के इन पावन आलों को प्रशासनिक सतर्कता और सख्त नियमों से सुरक्षित करें, ताकि कोई भी माँ, बहन या भाई ईश्वर के दर से कफन में लिपटकर वापस न लौटे। व्यवस्था को अपनी नींद से जागना ही होगा, वरना इतिहास हमें कभी माफ नहीं करेगा।

हिन्दी दैनिक उत्तरशक्ति मार्गदर्शन

क्या पक्ष सही, विपक्ष झूठ होता है?

-विक्रम दयाल

लोकतंत्र की खूबसूरती केवल इस बात में नहीं है कि उसमें सरकार बनाने का अधिकार जनता को मिलता है, बल्कि उसकी असली शक्ति इस बात में है कि सत्ता के साथ-साथ सवाल पूछने का अधिकार भी जीवित रहता है। लोकतंत्र में पक्ष और विपक्ष दोनों आवश्यक हैं। पक्ष सत्ता का प्रतिनिधित्व करता है तो विपक्ष जनता की उस आवाज का प्रतिनिधित्व करता है, जो सत्ता से सवाल पूछती है। लेकिन आज एक गंभीर प्रश्न हमारे सामने खड़ा है—क्या पक्ष हमेशा सही होता है और विपक्ष हमेशा झूठा? निश्चय ही इसका उत्तर है—नहीं। सत्य किसी दल, विचारधारा या कुर्सी की निजी संपत्ति नहीं है। सत्य सत्य होता है, चाहे वह सत्ता पक्ष के मुंह से निकले या विपक्ष के। उसी प्रकार असत्य असत्य ही रहेगा, चाहे उसे कोई सत्ताधारी कहे या विपक्षी। आज की राजनीति में सबसे बड़ी समस्या यह नहीं है कि पक्ष और विपक्ष में मतभेद हैं। मतभेद तो लोकतंत्र की स्वाभाविक पहचान हैं। चिंता तब पैदा होती है, जब मतभेद विचारों से निकलकर व्यक्ति-द्वेष में बदल जाते हैं और राजनीतिक हित सत्य से बड़ा हो जाता है। सत्ता पक्ष अपनी हर उपलब्धि को ऐतिहासिक उपलब्धि बताने लगे और विपक्ष सरकार के हर निर्णय में केवल दोष खोजने लगे, तब जनता के सामने वास्तविकता और राजनीतिक दावे के बीच अंतर करना कठिन हो जाता है। सत्ता पक्ष को यह समझना होगा कि सत्ता में होना सर्वज्ञ होने का प्रमाण नहीं है। सरकार के पास प्रशासनिक अधिकार अवश्य होते हैं, लेकिन उसके पास सत्य का एकाधिकार नहीं होता। सरकार से भी भूल हो सकती है, निर्णय गलत हो सकते हैं और नीतियों में सुधार की आवश्यकता पड़ सकती है। अपनी भूल स्वीकार कर लेना किसी सरकार की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी लोकतांत्रिक परिपक्वता है। दूसरी ओर विपक्ष को भी यह समझना होगा कि विरोध करना उसका कर्तव्य है, लेकिन हर बात का विरोध करना उसका धर्म नहीं। यदि सरकार कोई अच्छा काम करती है तो केवल इसलिए उसका विरोध करना कि वह सत्ता पक्ष की सरकार है, जनता के साथ न्याय नहीं होगा। विपक्ष का काम सरकार को गिराना भर नहीं, बल्कि सरकार को बेहतर काम करने के लिए बाध्य करना है। जहां सरकार सही हो, वहां समर्थन और जहां गलत हो, वहां कठोर आलोचना—यही स्वस्थ विपक्ष की पहचान होनी चाहिए। दरअसल लोकतंत्र में पक्ष और विपक्ष दो विरोधी दुश्मन नहीं, बल्कि एक ही लोकतांत्रिक व्यवस्था के दो आवश्यक पहिए हैं। एक पहिया सत्ता को आगे बढ़ाता है और दूसरा उसे संतुलित रखता है। यदि दोनों में से कोई एक कमजोर हो जाए तो लोकतंत्र की यात्रा असंतुलित हो जाती है। आज सोशल मीडिया और राजनीतिक प्रचार के युग में समस्या और गंभीर हो गई है। किसी भी घटना का आधा सच कुछ ही क्षणों में हजारों लोगों तक पहुंच जाता है। समर्थक अपने पक्ष की बात को प्रमाणित करने वाली सामग्री खोज लेते हैं और विरोधी उसी घटना का दूसरा पहलू सामने रख देते हैं। परिणाम यह होता है कि जनता के बीच तथ्य से अधिक धारणा का प्रभाव बढ़ने लगता है। राजनीति में एक और खतरनाक प्रवृत्ति दिखाई देती है—अपने नेता की हर बात को सत्य और दूसरे नेता की हर बात को झूठ मान लेना। यह लोकतांत्रिक चेतना नहीं, बल्कि अंध-समर्थन है। हमें यह समझना होगा कि किसी व्यक्ति या दल का समर्थन करने का अर्थ यह नहीं कि उसकी प्रत्येक बात सही है। उसी तरह किसी दल का विरोध करने का अर्थ यह भी नहीं कि उसकी प्रत्येक बात गलत है। विवेकशील नागरिक व्यक्ति नहीं, विचार और तथ्य का मूल्यांकन करता है। मान लीजिए सरकार महंगाई कम करने के लिए कोई योजना बनाती है। यदि उसके परिणाम अच्छे आते हैं तो विपक्ष को भी उसका स्वागत करना चाहिए। लेकिन यदि आंकड़े बताते हैं कि योजना का लाभ जनता तक नहीं पहुंचा, तो सरकार को भी विपक्ष की आलोचना सुननी चाहिए। लोकतंत्र का उद्देश्य किसी एक पक्ष को हराना नहीं, बल्कि जनता के जीवन को बेहतर बनाना है। यही बात राष्ट्रीय सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, किसानों, गरीबों और विकास के प्रत्येक प्रश्न पर लागू होती है। इन विषयों को दलगत चश्मे से देखने के बजाय जनहित के चश्मे से देखना आवश्यक है। हमारे देश की जनता ने समय-समय पर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को अवसर दिया है। जनता का यह निर्णय स्वयं बताता है कि वह किसी एक दल की स्थायी संपत्ति नहीं है। जनता ही अंतिम निर्णायक है। इसलिए राजनीतिक दलों को जनता को केवल चुनाव के समय याद करने के बजाय उसके विवेक और अधिकारों का सम्मान पूरे कार्यकाल में करना चाहिए। वास्तव में पक्ष का सबसे बड़ा धर्म है—जनहित में शासन करना और विपक्ष का सबसे बड़ा धर्म है—जनहित में निगरानी करना। यदि पक्ष जनहित में काम करे तो विपक्ष उसका सहयोग करे; यदि पक्ष जनहित से भटके तो विपक्ष उसे आईना दिखाए। और यदि विपक्ष भी तथ्य से भटक जाए तो जनता को उससे भी सवाल पूछने का अधिकार होना चाहिए। पत्रकारिता और बुद्धिजीवी समाज की भूमिका भी यहां अत्यंत महत्वपूर्ण है। समाचार और विचार में अंतर बनाए रखना होगा। आलोचना को विरोध और प्रशंसा को पक्षधरता समझना भी उचित नहीं। पत्रकार का दायित्व सत्ता के साथ खड़ा होना नहीं, बल्कि सत्य के साथ खड़ा होना है। इसी प्रकार लेखक का दायित्व भी किसी दल की जय-जयकार करना नहीं, बल्कि समाज के विवेक को जगाना है। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम राजनीतिक नारों से ऊपर उठकर प्रश्न पूछना सीखें—क्या कहा गया है, क्यों कहा गया है और उसके प्रमाण क्या हैं? केवल इसलिए किसी बात को सच न मानें कि वह हमारे पसंदीदा नेता ने कही है और केवल इसलिए झूठ न मानें कि उसे हमारे विरोधी ने कहा है। सत्य की कोई पार्टी नहीं होती। सत्य का कोई चुनाव चिह्न नहीं होता। सत्य किसी कुर्सी पर बैठा हुआ नहीं आता और न ही विपक्ष की बेंच पर बैठा हुआ हमेशा सही होता है। सत्य को पहचानने के लिए विवेक चाहिए, तथ्य चाहिए और निष्पक्ष दृष्टि चाहिए। लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन स्वाभाविक है। आज जो पक्ष में है, वह कल विपक्ष में हो सकता है और आज जो विपक्ष में है, वह कल सत्ता में आ सकता है। इसलिए राजनीतिक दलों को यह याद रखना चाहिए कि कुर्सियां बदलती रहती हैं, लेकिन लोकतांत्रिक संस्थाएं और जनता स्थायी होती है। यदि आज का सत्तापक्ष विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश करेगा तो कल वही परिस्थिति उसके सामने भी आ सकती है। और यदि आज का विपक्ष केवल राजनीतिक लाभ के लिए हर सरकारी निर्णय को गलत बताएगा तो कल सत्ता में आने पर उसे भी उसी कसौटी का सामना करना पड़ेगा। इसलिए लोकतंत्र को बचाने का रास्ता पक्ष या विपक्ष को समाप्त करने में नहीं, बल्कि दोनों को अपनी-अपनी मयार्दा में मजबूत करने में है। पक्ष को अहंकार छोड़ना होगा और विपक्ष को अंध-विरोध। सत्ता को आलोचना सुननी होगी और विपक्ष को सत्य स्वीकार करना होगा। जनता को भी दलगत मोह से ऊपर उठकर यह तय करना होगा कि कौन सही है और कौन गलत—लेकिन केवल इस आधार पर नहीं कि वह किस पक्ष में खड़ा है, बल्कि इस आधार पर कि उसकी बात में तथ्य कितना है और जनहित कितना। अंततः प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि पक्ष कौन है और विपक्ष कौन है। प्रश्न यह होना चाहिए कि सत्य किसके साथ है। क्योंकि लोकतंत्र में पक्ष और विपक्ष बदल सकते हैं, सरकारें बदल सकती हैं, नेता बदल सकते हैं, नीतियां बदल सकती हैं—लेकिन देश और जनता सबसे ऊपर हैं। जहां पक्ष सत्य के साथ है, वहां विपक्ष को सत्य का साथ देना चाहिए; और जहां विपक्ष सत्य की आवाज उठा रहा है, वहां सत्ता को उस आवाज को सुनना चाहिए। यही स्वस्थ लोकतंत्र है। यही जनतंत्र की मयार्दा है। और यही उस भारत की पहचान होनी चाहिए, जहां राजनीति का अंतिम उद्देश्य सत्ता नहीं, जनसेवा और राष्ट्रहित हो।

राजनितिक पारदर्शिता से बनेगा भारत महाशक्ति

भारत अपनी स्वतंत्रता की वर्षगाँठ बना रहा है। यह अवसर देश के गौरवगान के साथ यह याद रखने का भी है की आजादी अनगिनत बलिदानों, संघर्षो और लम्बी चली लड़ाई के परिणाम स्वरूप प्राप्त हुई है। इसकी रक्षा हर भारतीय नागरिक का पहला दायित्व होना चाहिए। 15 अगस्त आजादी का वह पुनीत अवसर है, जब हम भारतीय अंग्रेजों की 200 वर्ष की गुलामी से आजाद हुए। गोरे अंग्रेज जिन्होंने भारत की पूज्य धरा के संसाधनों का दोहन किया। जिन्होंने आम भारतीय नागरिकों की खाल उधेड़कर राजस्व उगाही की प्रक्रिया को बरसो तक जारी रखा, अंग्रेजो के अनाचार एवं अत्याचार के परिणाम स्वरूप भारतीय जनमानस आंदोलित होने लगा, अंग्रेजों के प्रति आक्रोश की यह ज्वाला सन 1857 में भड़की जब एनफील्ड राइफल के कारतूस में गाय और सूअर की चर्बी होने की अफवाह फैली 29 मार्च 1857 को बैरकपुर में मंगल पांडे ने इसी मुद्दे पर विद्रोह का बिगुल बजा दिया था। किन्तु इस विद्रोह को एक मात्र कारण तक सिमित नहीं किया जा सकता है। इस क्रांति के पीछे अनेकों तात्कालिक राजनितिक, सामाजिक एवं आर्थिक कारण भी रहे है। इस क्रांति के बाद अंग्रेजों के खिलाफ छुटपुट आंदोलन चलते रहे किन्तु भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना के बाद आजादी के आंदोलन में गति आई, जिसमे दादा भाई नौरोजी और गोपाल कृष्ण गोखले जैसे नेताओं ने शांतिपूर्ण और संवेधानिक तरीको से सुधार की मांग की, इतिहास इसे नरमपंथी चरण 1905 से 1919 तक मानता है, इसके बाद अगला चरण लाल, बाल और पाल के रूप में जाना है जिसमे स्वराज्य की मांग को बढ़ावा दिया गया। मोहन दास करमचंद गांधी के पदार्पण के बाद याने 1919 दे 1947 तक के कालखंड को गांधीवादी युग की संज्ञा दी गयी है। इस दौरान असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन और फिर भारत छोड़ो आंदोलन जैसे विशाल जन आंदोलनों ने अंग्रेजो को भारत छोड़ने पर मजबूर किया गया। आजादी की प्राप्ति के लिए सुभाष चंद्र बोस, भगत सिँह, चंद्र शेखर आजाद जैसे महान क्रांतिकारियों ने अपना जीवन बलिदान कर दिया। आजादी बेशकीमती और बहुमूल्य है, इसमें हजारों भारतीयों के बलिदान शामिल है। अब जब हम अंग्रेजों की 200 बरसो की गुलामी से आजाद हुए, अपने संविधान से शासित होने लगे,

-नरेंद्र तिवारी 'पत्रकार'

स्वतन्त्रता का सूरज अपने प्रकाश फैलाने लगा, 26 नवम्बर 1949 को अपनाए गए संविधान के प्रावधानों के तहत चुनाव कराए गए। अब देश में भारत की सरकार कार्यरत थी। शुरूवाती दौर में स्वतन्त्रता आंदोलन से निकले नेताओं ने भारत के निर्माण में पारदर्शिता रखी। भारत के नागरिकों के जीवन स्तर को उठाने की कोशिशे की गयी। देश के नागरिकों के जीवन स्तर को उठाने के प्रयास स्वतंत्रता के 8 दशक बीतने के बाद भी जारी है। यह आगे भी जारी रहेगा, रहना भी चाहिए। नागरिकों के जीवन में बदलाव शासन का प्रमुख लक्ष्य होना चाहिए। किन्तु देश की राजनीति में बीते 40-50 सालों में राजनितिक पारदर्शिता का आभाव देखा जा रहा है। सत्ता देश की भलाई से अधिक कमाई का साधन हो गयी है, मूल्य धाराशाही हो गए। जन प्रतिनिधियों और नौकरशाहों की जुगलबंदी के फलस्वरूप आर्थिक अनियमितता के किस्से गाँव-गाँव, शहर-शहर देश-प्रदेश की राजधानीयों में देखें सुने जाने लगे। चुनावी सफलता सबसे बड़ी ताकत हो गयी, संघर्षो का हवाला देकर चुनावी रण में विजय हुए माननीय का जीवन कुछ बरसो में ही परिवर्तित हो जाता है। चुनाव जन सेवा से अधिक व्यापार हो गयी, जिसमे चुनाव के समय खर्च की गयी पूंजी को वसूला जाता है, नेता चुनाव लड़ने के लिए भी कर्ज लेते है, जिसकी भरपाई के लिए बेईमानी का सहारा लिया जाता है। बड़े सियासी दल उद्योग घरानो से चुनावी चंदा लेकर उन्हें फायदा पहुंचाने के कार्य में लगे हुए है। अचम्भा इस बात का है की राजनितिक दल वर्तमान में सीधे तौर पर सूचना का अधिकार अधिनियम के दायरे में नहीं आते है, इसलिए उनके चुनावी चंदे की जानकारी आरटीआई के तहत नहीं मांगी जा सकती। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में चुनावी चंदे में पारदर्शिता को लेकर कई याचिकाए लंबित है। सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्ट्रोरल बांड योजना को असंवैधानिक करार देकर रद्द कर दिया था। क्योंकि वह नागरिको के जानने के अधिकार का हनन करती है। व्यवस्था में व्याप्त बेईमानी भारत के सुपर पावर बनने के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा शाबित हो रही है। ग्रामीण विकास की सबसे छोटी इकाई ग्राम पंचायत के विकास की राशि मे अनियमितता सम्पूर्ण भारत में एक सी है। यहाँ जिला स्तर के अधिकारी के जेब गरम करने के बाद प्राप्त हुई राशि जनपद के अधिकारी के हिस्से में बटती हुई ग्राम पंचायत तक आते-आते आधी हो जाती है, नगरपालिका, नगरनिगम, विधानसभा और लोकसभा के विकास की राशि भी तो पंचायत की तरह कमीशन का हिस्सा बन रही है। एक नारा किसी दल ने दिया जिस पर अमल तो लम्बे से हो रहा था, वह है डबल इंजिन की सरकार यह क्या है? मतलब मतदाताओं को भरमानें का तरीका की ऐसा नहीं किया तो विकास की गति रुक जाएगी। मतलब सत्ता होंगी तो विकास होगा यह भेद मतदाताओं के साथ किया जाना प्रजातंत्र का मखौल उड़ाना है। देश हो प्रदेश विधायक हो या सांसद सत्ता पक्ष पर अपने क्षेत्र की उपेक्षा के आरोप लगाता ही है। सरकार द्वारा इस प्रकार की उपेक्षा नहीं की जाना चाहिए। देश में मुफ्त की सुविधाओं से भी नागरिक समाज में अकर्मन्यता व्याप्त हो गयी है। देश का निर्माण सक्रिय मानव शक्ति से ही सम्भव है। देश के नागरिको के जीवन में बदलाव लाना सरकार का लक्ष्य होना चाहिए शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रोजगार नागरिक समाज की बड़ी समस्याओ में से है। ऐसा नहीं है, की आजादी के 8 दशकों में देश न बदला हो, देश ने विकास के नवीन आयामों को तय किया है। किन्तु जिस गति से हमें बढ़ना था, उस चाल से हम नहीं बढ़ पा रहे है। राजनीति में व्याप्त अनियमितता, देश को दीमक की तरह चाट रही है। भारत को सुपर पावर, महाशक्ति बनने का जो सपना राष्ट्रप्रेमी देखते है। राजनितिक भष्ट्र आचरण इन सपनों पार कुठाराघात करता है। राजनितिक पारदर्शिता से ही भारत महाशक्ति बन सकता है, इस हेतु यह जरुरी है की सरकारी भष्ट्र आचरण को रोकने वाली एजेंसियो का उपयोग दल हित में करने के बजाए राष्ट्र हित में किया जाए। दल बदल पर कठोर कानून बनाया जाए। ईमानदार नेताओं का अभाव हमारी सबसे बड़ी चुनौती है। इस हेतु सामूहिक प्रयास किये जाने चाहिए।

बोईसर पुलिस थाने में फहराया गया राष्ट्रीय ध्वज, थाना प्रभारी सुनील जाधव ने दी सलामी

पालघर(उत्तरशक्ति)। भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बोईसर पुलिस थाना एमआईडीसी कार्यालय परिसर में देशभक्ति एवं राष्ट्रीय गौरव से ओतप्रोत वातावरण में ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया। थाना प्रभारी सुनील जाधव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर तिरंगे को सलामी दी। इस दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के साथ कानून-व्यवस्था बनाये रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

समारोह में सहायक पुलिस निरीक्षक भगवान चौधरी, केशव राठौड़ एवं सुनील सालुंखे तथा पुलिस उपनिरीक्षक नितीन नरले, कमलाकर मुंढे, गजानन भालेराव, विनय मोरे एवं ऋषिकेश मुठे सहित बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम में सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी भी विशेष रूप से शामिल हुए। इसके अलावा बोईसर-पालघर पत्रकार संघ के अध्यक्ष रामप्रकाश निराला, पत्रकार जे.पी. जायसवाल, महिला दक्षता समिति की रुबीना शेख, मीना अम्भीरे एवं वसुंधरा बलसारा, कांग्रेस जिला सचिव रामनरेश यादव, सामाजिक कार्यकर्ता सुनीता सकपाल सहित अन्य गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित रहकर समारोह की गरिमा बढ़ाई। ध्वजारोहण एवं राष्ट्रध्वज को सलामी देने के बाद उपस्थित सभी लोगों ने एक-दूसरे को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। पूरा परिसर देशभक्ति के नारों और उत्साह से गूंज उठा। इस अवसर पर उपस्थित पुलिसकर्मियों एवं नागरिकों ने देशहित में अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने तथा राष्ट्र की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लिया।

विहिप-बजरंग दल की बुढ़ा अमरनाथ शौर्य यात्रा में पालघर से सैकड़ों श्रद्धालु रवाना

पालघर(उत्तरशक्ति)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) व बजरंग दल की ओर से आयोजित बुढ़ा अमरनाथ शौर्य यात्रा में शामिल होने के लिए पालघर से सैकड़ों श्रद्धालु सोमवार 17 अगस्त 2026 को रवाना हुए। यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। भगवा ध्वज और जयघोष के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के दर्शन तथा देश-धर्म की मंगलकामना के साथ यात्रा की शुरूआत की। यात्रा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अखिल भारतीय संत समिति, महाराष्ट्र प्रदेश के महामंत्री स्वामी श्री भारतानंद सरस्वतीजी महाराज ने श्रद्धालुओं को आशीर्वचन देते हुए कहा कि तीर्थ यात्राएं हमारी सनातन परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत करती हैं। विहिप के सह मंत्री चंदन सिंह ने कहा कि बुढ़ा अमरनाथ शौर्य यात्रा आस्था के साथ साहस और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने वाली यात्रा है। विहिप नेता मुकेश दुबे ने कहा कि बुढ़ा अमरनाथ शौर्य यात्रा केवल भगवान शिव के दर्शन की यात्रा नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, राष्ट्रभक्ति और सामाजिक एकता का संकल्प लेकर चलने वाली यात्रा है। पालघर से सैकड़ों श्रद्धालुओं की सहभागिता हमारी आस्था और संगठन की शक्ति को दशार्ती है। युवाओं को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ना इस यात्रा का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। इस अवसर पर जयेश घरत, काचू शेट्टी, श्रीपद पाटील, भरत पवार,संतु मल्लाह, विजय शेट्टी, धर्मेंद्र विश्वकर्मा, राकेश कोटियाँन, वंदना सिंह एवं लीना राजपुरोहित सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व श्रद्धालु उपस्थित रहे। हर-हर महादेव और भारत माता की जय के जयघोष के साथ यात्रा का माहौल भक्तिमय हो गया।

स्वतंत्रता दिवस पर पालघर की स्वास्थ्य सुविधाओं को नई सौगात, सात नई इमारतों का लोकार्पण

पालघर(उत्तरशक्ति)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पालघर जिले के स्वास्थ्य विभाग को बड़ी सौगात मिली। जिले के विभिन्न तहसीलों में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी सात नई एवं सुसज्जित इमारतों का लोकार्पण किया गया। इन स्वास्थ्य सुविधाओं का उद्घाटन राज्य के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश आबिटकर ने राज्य स्तर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया।

लोकार्पित सुविधाओं में वसई तहसील के पाणजू स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य पथक की मुख्य इमारत एवं चिकित्सा अधिकारी-कर्मचारियों के आवास, वसई का बीपीएचयू (ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट), डहाणू तहसील का धुंदलवाडी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, जव्हार तहसील का रायतले स्वास्थ्य उपकेंद्र, वाडा तहसील का नांदणी गायगोठा स्वास्थ्य उपकेंद्र तथा वाडा स्थित बीपीएचयू की नई इमारत शामिल हैं। पाणजू में नई इमारतों का लोकार्पण सरपंच हेमांगी भोईर के हाथों किया गया। वसई बीपीएचयू का उद्घाटन विधायक राजन नाईक, धुंदलवाडी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन विधायक विनोद निकोले तथा रायतले स्वास्थ्य उपकेंद्र का लोकार्पण उपसरपंच संतोष गोविंद के हाथों हुआ। वहीं नांदणी गायगोठा स्वास्थ्य उपकेंद्र का लोकार्पण सरपंच मेघा खांडेकर तथा वाडा बीपीएचयू की नई इमारत का लोकार्पण नगराध्यक्षा रीमाताई गंदे के हाथों किया गया। इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संतोष चौधरी, संबंधित तहसील स्वास्थ्य अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। नई एवं आधुनिक इमारतों के शुरू होने से संबंधित क्षेत्रों के नागरिकों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर अधिक आसानी से उपलब्ध होंगी। साथ ही चिकित्सा अधिकारियों और स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होने से स्वास्थ्य सेवाओं की कार्यक्षमता में भी वृद्धि होगी।

वसई पश्चिम में अवैध गांवठी शराब बनाने के अड्डे पर छापा

◆अपराध पहचान शाखा की बड़ी कार्रवाई; 1.15 लाख रुपये का कच्चा माल व शराब बनाने का सामान नष्ट, आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। वसई वसई पश्चिम के रंगांव क्षेत्र में अवैध रूप से गांवठी शराब बनाने के लिए तैयार किए जा रहे गुड़ के घोल और रासायनिक पदार्थ (वॉश) के खिलाफ वसई पुलिस स्टेशन की अपराध पहचान शाखा ने बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने छापेमारी कर करीब 1 लाख 15 हजार रुपये मूल्य का कच्चा माल और शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री नष्ट कर दी। पुलिस को गोपनीय सूचना मिली थी कि रणबाग, रंगांव, वसई पश्चिम क्षेत्र में एक नवनिर्मित मकान में अवैध गांवठी शराब बनाने के लिए गुड़ में रासायनिक पदार्थ मिलाकर तैयार किया जा रहा है और उसका अवैध रूप से भंडारण किया गया है।

सूचना के आधार पर वसई पुलिस स्टेशन की अपराध पहचान शाखा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने 15 अगस्त 2026 को उक्त स्थान पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान गांवठी शराब बनाने के लिए तैयार किए गए रासायनिक पदार्थ (वॉश) से भरे 9 नीले ड्रम बरामद किए गए। पुलिस ने मौके पर करीब 1,800 लीटर गुड़ का घोल, शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाला एक मिट्टी का बर्तन तथा 11 छोटे-बड़े खाली ड्रम, कुल अनुमानित कीमत 1,15,000 रुपये, मौके पर ही नष्ट कर दिए। इस मामले में आरोपी इसाम उर्फ आरी सुनील घरत के खिलाफ वसई पुलिस स्टेशन में महाराष्ट्र निषेध अधिनियम, 1949 की धारा 65(ख), 65(ग) एवं 65(च) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्रवाई यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त अशोक विरकर, परिक्षेत्र-02, सहायक पुलिस आयुक्त देवेंद्र पोल, वसई पुलिस स्टेशन की प्रभारी पुलिस निरीक्षक श्रीमती सौरभ पवार तथा अपराध जांच शाखा के पुलिस निरीक्षक (अपराध) प्रकाश मसाल के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई में पौपानिरी वैभव पवार, पोहवा बेलकर, प्रशांत पाटिल, सूर्यकांत मुंढे, पोम अप्पासाहेब गाजेन, प्रशांत अहेर, सौरभ दराडे, शशिकांत कोंकणी, गोरख सदगीर और शरद भगत सहित पुलिस कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध गांवठी शराब निर्माण पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

दिन-दहाड़े और रात में घरों व दुकानों में सेंधमारी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। विरार नालासोपारा। दिन और रात के समय घरों एवं दुकानों में सेंधमारी कर चोरी करने वाले शातिर अपराधियों के खिलाफ क्राइम डिटेक्शन सेल-3, विरार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी किए गए चांदी के आभूषण, अपराध में इस्तेमाल हथियार और एक सफेद फोर्ड फिएस्टा कार सहित कुल 5 लाख 59 हजार रुपये का माल जब्त किया है। जैन ज्वैलर्स में की थी 9.05 लाख की चोरी पुलिस के अनुसार, 10 अगस्त 2026 की रात 9:30 बजे से 11 अगस्त की सुबह 7:30 बजे के बीच नालासोपारा पूर्व, विरार रोड, मोरेगांव नाका स्थित जीवनज्योत अपार्टमेंट की दुकान नंबर-2 में अज्ञात आरोपियों ने जैन ज्वैलर्स को निशाना बनाया। आरोपियों ने लोहे की ग्रिल, शटर और ताला तोड़कर दुकान में प्रवेश किया तथा शटर उठाकर दुकान से 9 लाख 5 हजार रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण, कीमती पत्थर और डीवीआर मशीन चोरी कर ली। इस मामले में 11 अगस्त को तुलिंज पुलिस स्टेशन में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच में दो आरोपी गिरफ्तार पुलिस आयुक्त एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर अपराध का पर्दाफाश करने के निर्देश दिए थे। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में क्राइम डिटेक्शन सेल-3 ने तकनीकी एवं गहन जांच शुरू की।

चिचंणी में शहीदों को नमन, 84 वर्ष बाद भी जिंदा है स्वतंत्रता संग्राम की गौरवगाथा

पालघर(उत्तरशक्ति)। स्वतंत्रता संग्राम में पालघर जिले के चिचंणी गांव का योगदान ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण रहा है। यह जिले का ऐसा अनूठा गांव है, जहां स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान एक ही गांव के पांच वीरों ने शहादत दी, जबकि 22 स्वतंत्रता सेनानियों ने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया। इस ऐतिहासिक बलिदान को इस वर्ष 84 वर्ष पूर्ण हुए। शहीदों के बलिदान को स्मरण करते हुए चिचंणी के देशप्रेमी नागरिकों की ओर से चिचंणी मार्केट से के.डी. हाईस्कूल स्थित हुतात्मा स्तंभ तक मौन एवं शांतिपूर्ण पदयात्रा निकाली गई। बड़ी संख्या में नागरिकों और विद्यार्थियों ने इसमें सहभागी होकर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।पदयात्रा के बाद ठीक शाम 5 बजकर 5 मिनट पर उस ऐतिहासिक समय की स्मृति में पुष्पचक्र अर्पित किए गए, जब जुल्मी अंग्रेज सरकार ने स्वतंत्रता सेनानियों पर गोलीबारी की थी। इस अवसर पर वातावरण देशभक्ति और शहीदों के प्रति कृतज्ञता की भावना से भर गया। कार्यक्रम में प्राध्यापिका प्रेरणा राऊत ने चिचंणी के स्वतंत्रता संग्राम और यहां के वीर शहीदों के इतिहास की जानकारी उपस्थित लोगों को दी। विद्यार्थियों ने गीता के श्लोकों का पाठ किया। श्रोफ कॉलेज की एनसीसी यूनिट की ओर से शहीदों को सलामी दी गई। इस अवसर पर यह भी उल्लेखनीय रहा कि पिछले वर्ष तारापुर अणु ऊर्जा केंद्र के सामाजिक दायित्व कक्ष के अध्यक्ष केदार भावे के मार्गदर्शन एवं पहल से हुतात्मा स्तंभ का सुंदर सुशोभीकरण किया गया। इस कार्य में नगीन बारी, महाराज निवृत्ती जोशी, करण बारी, नितेश दुबला, अक्षय नाईक और रवी राऊल सहित अनेक लोगों ने अथक मेहनत की।

गुम हुए 50 मोबाइल फोन पुलिस ने शिकायतकताओं को लौटाए

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति) वसई-विरार। 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त 2026 को आचोले पुलिस स्टेशन द्वारा गुमशुदा मोबाइल फोन के मामलों में सराहनीय कार्रवाई करते हुए कुल 50 मोबाइल फोन, जिनकी कीमत 11 लाख 13 हजार 550 रुपये है, उनके वास्तविक मालिकों को वापस सौंपे गए। आचोले पुलिस स्टेशन के अंतर्गत रेलवे स्टेशन क्षेत्र सहित गला नगर, शिरदी नगर, अलकापुरी के साप्ताहिक बाजारों तथा रेलवे स्टेशन के आसपास के भीड़भाड़ वाले इलाकों में आए दिन मोबाइल फोन गुम होने की शिकायतें पुलिस स्टेशन के साथ-साथ ऑनलाइन माध्यम से भी प्राप्त होती रहती हैं। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में गुम हुए मोबाइल फोन की तलाश के लिए विशेष एवं अभिनव अभियान चलाया गया।

पुलिस टीम ने तकनीकी जांच और विभिन्न स्तरों पर किए गए प्रयासों के माध्यम से एप्पल, सैमसंग, वीवो, ओप्पो, मोटोरोला सहित विभिन्न कंपनियों के 50 महंगे मोबाइल फोन बरामद किए। बरामद किए गए मोबाइल फोन की कुल कीमत 11,13,550 रुपये बताई गई है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इन मोबाइल फोन को संबंधित शिकायतकताओं को सौंपा गया। लंबे समय से गुम मोबाइल फोन वापस मिलने पर शिकायतकताओं ने खुशी और संतोष व्यक्त करते हुए आचोले पुलिस के प्रयासों की सराहना की तथा पुलिस विभाग का आभार माना। इन अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों का रहा महत्वपूर्ण योगदान यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त अशोक विर्कर, सर्किल-2 वसई, सहायक पुलिस आयुक्त नितिन गीते, तुलिंज डिवीजन के मार्गदर्शन में तथा आचोले पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुजीत कुमार पवार के नेतृत्व में सफलतापूर्वक पूरी की गई। इस कार्रवाई में पुलिस निरीक्षक (अपराध) शकील शेख, अपराध पहचान शाखा के सहायक पुलिस निरीक्षक माणिक पाटिल, पुलिस उपनिरीक्षक तुकाराम भोपाले, सफी दत्तात्रेय दैगडे, पोहवा शंकर शिंदे, निखिल चव्हाण, विनायक कचरे, अमोल सांगले, पोआम अनिल पवार, मोहम्मददास बंदगर, हाशिम पटेल, निखिल पाटिल, सुशांत भोये, गोविंद गुट्टे और लोकेश कुंवर सहित पुलिसकर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आचोले पुलिस की इस कार्रवाई से गुम हुए मोबाइल फोन वापस मिलने के साथ ही नागरिकों में पुलिस के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है।

भिवंडी में मेगा रक्तदान शिविर में 80 यूनिट रक्त संग्रह

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। जैन सोशल ग्रुप एवं जैन संगिनी ग्रुप, भिवंडी की ओर से रविवार को चाचा नेहरू हिंदी हाई स्कूल में मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं सहित बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कुल 80 यूनिट रक्त दान किया। यह शिविर जैन सोशल ग्रुप मुंबई रीजन के तत्वावधान में देशभर में चलाए जा रहे राष्ट्रीय सेवा अभियान का हिस्सा था। अभियान के तहत एक दिन में 400 ग्रुपों के माध्यम से 40 हजार यूनिट रक्त संग्रह करने का लक्ष्य रखा गया था। इसी अभियान के अंतर्गत भिवंडी ग्रुप ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई।शिविर की अध्यक्षता जैन सोशल ग्रुप भिवंडी के अध्यक्ष प्रकाश बाफणा ने की। इस अवसर पर शांतिलाल राठौड़, राजेश जैन पालीवाला, प्रवीण सराफ, सुरेश शाह, रितेश जैन, मनसुख जाकरीया एवं महेश जैन उपस्थित रहे। विशेष अतिथियों में जैन सोशल ग्रुप मुंबई रीजन के चेयरमैन संदीप शाह, इलेक्ट चेयरमैन मोनिका सराफ, कल्याण ग्रुप की अध्यक्षा निपुणा शाह, रोटरी क्लब अध्यक्ष प्रदीप राका एवं गोशाला अध्यक्ष तिलोकचंद जैन शामिल रहे। अतिथियों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए रक्तदान को मानव जीवन बचाने वाली महत्वपूर्ण सामाजिक सेवा बताया। कार्यक्रम के समापन पर जैन सोशल ग्रुप एवं जैन संगिनी ग्रुप के पदाधिकारियों ने सभी रक्तदाताओं, अतिथियों और सहयोगी संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

चार धाम व 12 ज्योतिर्लिंग यात्रा के बाद प्रेम अग्रवाल ने किया भव्य भंडारा

पालघर(उत्तरशक्ति)। चार धाम एवं देशभर के 12 ज्योतिर्लिंगों की पावन यात्रा सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपलक्ष्य में बोईसर निवासी समाजसेवी प्रेम अग्रवाल ने महावीर सोसाइटी स्थित अपने निवास पर भव्य भंडारे का आयोजन किया। इसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, परिवारजनों और शुभचिंतकों ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय हिन्दू सेवा संघ की बोईसर गौरक्षा टीम के एस. एस. तिवारी, किशन माली, ललित माली, डी.एन. सिंह, विनोद शर्मा, लक्ष्मण बेदाडे, रोहित सिंह, पवन उपाध्याय, संगीता जैसवाल, राज पटेल और विपिन पटेल को गौ-सेवा के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. स्वप्निल शिन्दे, बी. एन. सिंह, मनदेव दुबे और संदीप शर्मा सहित अनेक समाजसेवक उपस्थित रहे। इस अवसर पर सनातन धर्म, गौ-सेवा और समाजसेवा के क्षेत्र में कार्यरत लोगों के साथ मीडियाकर्मियों का भी सम्मान किया गया। जिसमें वरिष्ठ पत्रकार ओमप्रकाश द्विवेदी, अखिलेश चौबे व पराग यादव को शॉल, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न देकर अभिनंदन किया गया। प्रेम अग्रवाल ने कहा कि भगवान की कृपा से चार धाम और 12 ज्योतिर्लिंगों की यात्रा सफल हुई। भंडारे के माध्यम से वे समाज के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करना चाहते थे। भक्तिमय वातावरण में संपन्न यह आयोजन धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक समरसता, गौ-सेवा और समाजसेवा को सम्मान देने का संदेश दिया।

सद्विचारेश्वर महादेव मंदिर में हर हर महादेव के जयकारों के बीच महारुद्राभिषेक सम्पन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। श्रावण मास भगवान शिव की आराधना और भक्ति का पावन महीना माना जाता है। इस दौरान शिवालयों में विशेष पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता है। इसी धार्मिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए भारतीय सद्विचार मंच की ओर से पिछले कई वर्षों से श्रावण मास में महारुद्राभिषेक का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार , दिनांक 16अगस्त,2026 को दहिसर पूर्व स्थित श्री सद्विचारेश्वर महादेव मंदिर में श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ महारुद्राभिषेक संपन्न हुआ।सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक चले महारुद्राभिषेक में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव का अभिषेक किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूजन-अर्चन कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद महाप्रसाद का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी, आमदार मूरजी पटेल , श्री सिद्धिविनायक मंदिर न्यास के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, शिवसेना (यूबीटी) प्रवक्ता आनंद दुबे, शिवसेना नेता गुलाब दुबे, नगर सेवक, विवेक उपाध्याय (मीर भायंदर), पूर्व नगर सेवक विद्यार्थी सिंह,पूर्व नगरसेवक विजय राय, पूर्व नगर सेवक विनोद मिश्रा, श्रीमती नीतू संतोष, आर.एन. सिंह, अनिल गलागली(आरटीआई कार्यकर्ता),मुंबई भाजपा प्रवक्ता उदय प्रताप सिंह, समाजसेवी एडवोकेट रामकृपाल उपाध्याय, प्रसिद्ध टेक्नोक्रेट दिनेशचन्द्र उपाध्याय, पत्रकार अभय मिश्रा, श्रीनिवासानंद महाराज, पत्रकार राजकिशोर तिवारी, पत्रकार शिवपूजन पाण्डेय, पत्रकार भगवती मिश्रा, पत्रकार राजेश उपाध्याय, वरिष्ठ पत्रकार अनुराग त्रिपाठी,विनोद यादव, कांग्रेसी नेता डॉ. किशोर सिंह, अवनीश तीर्थराज सिंह, देवशंकर (बाबा)दुबे, समाजसेवी सुरेन्द्र कुमार मिश्रा, डॉ. अजय एल. दुबे, पत्रकार रविन्द्रनाथ दुबे, अनिरुद्ध पाण्डेय, संस्था की अंधेरी शाखा अध्यक्ष प्रेमचंद (बाबा) तिवारी, भवन निमार्ता एडवोकेट मनोज चतुवेर्दी, उद्योगपति ब्रह्मदेव सिंह, डॉ. ओ.के.मिश्रा(संचालक,मेट्रोपॉल हास्पीटल, ठाणे), समाजसेवी अमित ओमप्रकाश दुबे सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भारतीय सद्विचार मंच के संस्थापक एवं मुख्य मार्गदर्शक डॉ. राधेश्याम तिवारी, अध्यक्ष डॉ. शिवश्याम तिवारी, उपाध्यक्ष पं. कमलाशंकर मिश्रा एवं बैजनाथ मिश्रा, मंत्री नागेंद्र मिश्रा,सह मंत्री राजीव मिश्रा, कोषाध्यक्ष महेंद्र कुमार मिश्रा सहित संस्था के पदाधिकारियों और सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आयोजकों ने कहा कि श्रावण मास में होने वाला यह धार्मिक आयोजन पिछले कई वर्षों से श्रद्धा और आस्था के साथ आयोजित किया जा रहा है। ऐसे आयोजनों से समाज में धार्मिक संस्कार, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना को बढ़ावा मिलता है। कार्यक्रम का समापन महाप्रसाद वितरण के साथ हुआ।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रईस हाई स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम, मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज, भिवंडी में विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रमीय उपलब्धियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उर्दू बसेरा ऑडिटोरियम में भव्य सांस्कृतिक एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में दसवीं और बारहवीं बोर्ड परीक्षाओं में शानदार सफलता हासिल करने वाले विद्यार्थियों के साथ-साथ शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के चेयरमैन यासर तातली ने की, जबकि के.एम.ई. सोसायटी के कोषाध्यक्ष फहद बुबेरे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। स्कूल कमेटी के सदस्य इरफान बरडी, नदीम तासे, इस्माइल बोबड़े तथा प्रधानाचार्य जिया-उर-रहमान अंसारी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ पवित्र कुरआन पाठ से हुआ। प्रधानाचार्य जिया-उर-रहमान अंसारी ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। विद्यार्थियों ने तराना-ए-रईस, महाराष्ट्र गीत, गजलें और देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

रंगारंग प्रस्तुतियों का उपस्थित विद्यार्थियों और दर्शकों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। समारोह में कक्षा पांचवीं से बारहवीं तक अपनी-अपनी कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पारितोषिक, मेमेंटो एवं प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया गया। वहीं दसवीं और बारहवीं बोर्ड परीक्षाओं में उल्लेखनीय सफलता हासिल करने वाले विद्यार्थियों का विशेष अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष यासर तातली ने सभी पुरस्कृत विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि सफलता केवल इच्छा करने से हासिल नहीं होती, बल्कि इसके लिए निरंतर मेहनत, अनुशासन, दृढ़ता और शिक्षकों के मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन आमिर कुरैशी ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन उपप्रधानाचार्य आमिर सिद्दीकी ने किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

बोईसर में स्वामी भारतानन्द सरस्वती जी महाराज का भव्य स्वागत

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर अंतर्गत स्थित ओसवाल के समता भवन में आयोजित भारत भक्ति कथा के दौरान कथा के मुख्य प्रवक्ता स्वामी भारतानन्द सरस्वती जी महाराज का राष्ट्रीय हिन्दू सेवा संघ, पालघर की ओर से भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने महाराज जी का अभिनंदन करते हुए उनके आध्यात्मिक एवं सामाजिक मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया। समता भवन में पिछले कुछ दिनों से चल रही भारत भक्ति कथा में स्वामी भारतानन्द सरस्वती जी महाराज के ओजस्वी प्रवचनों को सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। कथा के माध्यम से महाराज जी ने श्रद्धालुओं को सत्य, धर्म, सद्भाव, सेवा और राष्ट्रभक्ति के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। स्वागत समारोह में राष्ट्रीय हिन्दू सेवा संघ के प्रमुख सदस्य एस. एस. तिवारी, प्रेम अग्रवाल, रोहित सिंह, पवन उपाध्याय, सुनीता सकपाल, राज पटेल, विपिन पटेल, मुकेश कुमार एवं आकाश झा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने स्वामी भारतानन्द सरस्वती जी महाराज का पुष्प एवं सम्मान के साथ स्वागत किया।

अपने प्रवचन में महाराज जी ने कहा कि प्रत्येक भारतीय को अपने जीवन में सत्य और धर्म का पालन करने के साथ देश एवं समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने देशप्रेम, सामाजिक एकता और सेवा भावना को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया। समारोह के अंत में राष्ट्रीय हिन्दू सेवा संघ के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं ने स्वामी भारतानन्द सरस्वती जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

गौसपुर के गायत्री घाट पर गंगा में डूबे तीन युवक, दो की मौत-एक को बचाया

गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। मुहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के गौसपुर स्थित गायत्री गंगा घाट पर सोमवार सुबह गंगा स्नान के दौरान तीन युवक गहरे पानी में डूब गये। गहरे पानी में डूबने से दो युवकों की मौत हो गई, जबकि स्थानीय लोगों की सूझबूझ से एक युवक को बचा लिया गया।

हादसे की खबर मिलते ही दोनों मृतकों के घरों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार शैवटोला शाहनिंदा निवासी अरुण पांडेय (25) पुत्र त्रिलोकी पांडेय और गुलशन कुशवाहा (24) पुत्र संतोष कुशवाहा अपने एक अन्य दोस्त के साथ सोमवार सुबह करीब 7 बजे गौसपुर के गायत्री गंगा घाट पर स्नान करने पहुंचे थे। स्नान के दौरान तीनों युवक अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे।

युवकों को डूबता देख घाट पर मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद एक युवक को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। लेकिन अरुण पांडेय और गुलशन कुशवाहा तेज धारा और गहरे पानी में समा गए। सूचना मिलते ही मुहम्मदाबाद पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों की मदद से गंगा में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। काफी प्रयास के बाद दोनों युवकों के शव गंगा से बाहर निकाले गए। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी हाउस, गाजीपुर भेज दिया गया है। हादसे की सूचना गांव और परिजनों तक पहुंचते ही मातम छा गया। दोनों परिवारों का रो-रोकर बुरा हाल है। अरुण और गुलशन घर के कमाने वाले थे। अचानक हुई इस घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर है।

शराबी पिता ने बेटी को फंदे से लटकाया, इलाज के दौरान मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र के कालीकुत्ती-परमानतपुर मोहल्ले में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। आरोप है कि शराबी पिता अखिलेश कुमार बिंद ने पहले पत्नी से मारपीट की और फिर 14 वर्षीय बेटी चंदा को बेरहमी से पीटकर साड़ी के फंदे से पंखे की कुंडी से लटका दिया। परिजन और पड़ोसी बच्ची को अस्पताल ले गए, जहां हालत बिगड़ने पर वाराणसी रेफर किया गया। रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजन हत्या का मुकदमा दर्ज कराने की मांग कर रहे हैं। पुलिस के मुताबिक अभी तहरीर नहीं मिली है।

नाग पंचमी के पावन अवसर पर मेडिकल कालेज, जौनपुर में रुद्राभिषेक एवं भंडारे का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो0 (डा0) आर0 बी0 कमल के दिशा निर्देश में डा0 आदर्श यादव एवं डा0 मुदित चैहान के द्वारा शिव मंदिर परिसर में नाग पंचमी के पावन अवसर पर भगवान शिव का विधिवत रुद्राभिषेक एवं भंडारे का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10:00 बजे भगवान शिव के रुद्राभिषेक के साथ हुआ। महाविद्यालय के चिकित्सा शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं, पैरामेडिकल एवं नर्सिंग स्टाफ तथा सुरक्षा कर्मियों ने श्रद्धापूर्वक रुद्राभिषेक में सहभागिता की। रुद्राभिषेक के उपरांत भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के चिकित्सा शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं अन्य उपस्थित जनों ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रधानाचार्य ने कहा कि भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं में धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजनों का विशेष महत्व है। ऐसे आयोजन आपसी सद्भाव, सामाजिक समरसता एवं सामूहिक सहभागिता की भावना को सुदृढ़ करते हैं। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए महाविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में भगवान शिव की आस्था रखने वाले महाविद्यालय के चिकित्सा शिक्षक प्रो0 (डा0) उमेश सरोज,डा0 अचल सिंह,डा0 अनुज सिंह, डा0 जितेन्द्र कुमार, डा0 विनोद वर्मा, डा0 संजीव यादव, डा0 पूजा पाठक, डा0 अरविन्द यादव, डा0 संदीप सिंह व अन्य चिकित्सा शिक्षक, कर्मचारी, छात्र-छात्राएं, पैरामेडिकल एवं नर्सिंग स्टाफ तथा सुरक्षा कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन शांतिपूर्ण एवं भक्तिमय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

बच्चों से भरा स्कूल वाहन तालाब में पलटा, आधा दर्जन से अधिक मासूम घायल

रेणुकूट,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। बभनी थाना क्षेत्र के मैरहवा गांव के पास शुक्रवार को बच्चों से भरा एक निजी स्कूल वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित गहरे तालाब में जा पलटा। हादसे में आधा दर्जन से अधिक बच्चे घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों की तत्परता से वाहन में सवार बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घायल बच्चों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बभनी में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, लिटिल एंजेल प्राइवेट विद्यालय, चपकी का वाहन करीब 15 से 20 बच्चों को लेकर स्कूल जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक वाहन की रफ्तार तेज थी। मैरहवा गांव के पास अचानक वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे तालाब में जा गिरा।

हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीण राजाराम, रामप्रकाश, धीरज हृदय, अवधेश और रामकिशुन सहित अन्य लोगों ने साहस दिखाते हुए पानी में उतरकर बच्चों को एक-एक कर बाहर निकाला। ग्रामीणों की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर सैकड़ों ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

बताया जा रहा है कि

दुर्घटनाग्रस्त वाहन बचरा निवासी अतहर हुसैन उर्फ बच्चा का है। घटना के बाद स्कूल प्रबंधन और वाहन संचालन व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र के कई निजी स्कूलों में बच्चों को क्षमता से अधिक संख्या में वाहनों में बैठाकर ले जाया जाता है। साथ ही कई वाहन तेज रफ्तार से चलाए जाते हैं और स्कूली वाहनों से जुड़े सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जाती है। बावजूद हादसे ने जमीनी स्तर पर निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों ने मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई तथा स्कूली वाहनों की सघन जांच कराने की मांग की है।

स्कूली वाहनों की सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा समय-समय पर जांच एवं कार्रवाई के दावे किए जाते हैं। इसके

फिलहाल घायल बच्चों का उपचार सीएचसी बभनी में जारी है। घटना के संबंध में बभनी थाना प्रभारी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका मोबाइल फोन रिसीव नहीं हुआ।

नवप्रवेशितयों को उच्च शिक्षा एवं शोध के लिए किया प्रेरित

◆ बीएससी एवं एमएससी विद्यार्थियों के लिए दीक्षारम्भ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय स्थित प्रोफेसर राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) संस्थान में नवप्रवेशित बीएससी एवं एमएससी विद्यार्थियों के लिए दीक्षारम्भ कार्यक्रम के

अंतर्गत अधिष्ठापन एवं अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना एवं विश्वविद्यालय के कुलगीत के सामूहिक गायन से हुआ। संस्थान के निदेशक प्रो. मिथिलेश सिंह ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण, ज्ञान-विस्तार और शोध के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। विद्यार्थियों को संस्थान की शैक्षणिक एवं शोध सुविधाओं का अधिकतम लाभ उठाना चाहिए।

अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद यादव ने विश्वविद्यालय की छात्र कल्याणकारी गतिविधियों एवं सुविधाओं की जानकारी देते हुए कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में शिक्षा के साथ अनुशासन, रचनात्मक गतिविधियों और सहभागिता की महत्वपूर्ण भूमिका है।

मानद पुस्तकालय अध्यक्ष प्रो. राजकुमार ने विद्यार्थियों को पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों, संदर्भ सामग्री एवं ई-संसाधनों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित रूप से पुस्तकालय का उपयोग करने और पाठ्य पुस्तकों के साथ उच्च स्तरीय संदर्भ सामग्री पढ़ने का आग्रह किया।

इस अवसर पर प्रो. देवराज सिंह, प्रो. प्रमोद कुमार,डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. धीरेंद्र चौधरी, डॉ. सुजीत चौरसिया एवं डॉ. संदीप वर्मा ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उच्च शिक्षा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, समय प्रबंधन, प्रयोगात्मक शिक्षा एवं शोध के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नितेश जायसवाल ने किया। कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशित विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय एवं संस्थान के शैक्षणिक वातावरण से परिचित कराते हुए उनके सफल शैक्षणिक जीवन की आधारशिला तैयार करना रहा।

जन समस्याओं को गंभीरता से सुन कराएं निस्तारण: डीएम

तहसील सदर में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुआ संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के तहसीलों में सोमवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस पर आए लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।इस मौके पर राजस्व, पुलिस, चिकित्सा, कृषि, खाद एवं रसद, पंचायतीराज, विद्युत,

सिंचाई, पीडब्ल्यूडी,जल निगम,आपूर्ति,वन विभाग सहित अन्य विभागों के कुल 74 मामले आए,जिसमें से 03 का मौके पर निस्तारण हुआ। शेष मामलों को संबंधित विभाग के अधिकारियों को हस्तांतरित करते हुए जिलाधिकारी ने समय सीमा के अंदर निस्तारित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने भूमि विवाद संबंधी मामलों को पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर जाकर सत्यापन कर मामले को निस्तारित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि जन समस्याओं के निस्तारण में हीलाहवाली अक्षम्य होगी। अधिकारी जन समस्याओं को गंभीरतापूर्वक लें अन्यथा कार्रवाई के लिए तैयार रहें। कहा कि हर व्यक्ति की समस्या का पूरी प्रतिबद्धता एवं पारदर्शिता से न्यायोचित समाधान शासन-प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में है। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस और राजस्व से जुड़ी समस्याओं पर उन्होंने कहा कि प्राथमिक स्तर पर ही लोगों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करें, ताकि लोगों को यहां-वहां भटकना न पड़े। इस अवसर पर एसडीएम नितिन सिंह, एसीपी सहित राजस्व विभाग व पुलिस विभाग तथा अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान, मायके पक्ष ने लगाए आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के पिलखनी गांव में रविवार सुबह 25 वर्षीय विवाहिता ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी होते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर जांच-पड़ताल कर साक्ष्य जुटाए।

पिलखनी गांव निवासी विकास सिंह की पत्नी सेजल सिंह रविवार सुबह करीब छह बजे कमरे में गई थी। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर परिजनों ने आवाज दी, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद दरवाजा तोड़ा गया तो सेजल दुपट्टे के सहारे फांसी पर लटकी मिली। परिजनों ने उसे नीचे

उतारकर जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर मायके पक्ष के लोग भी मौके पर पहुंचे। मायके पक्ष ने विवाहिता की मौत को लेकर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच शुरू कर दी है।

बताया गया कि सेजल की शादी 25 नवंबर 2025 को विकास सिंह के साथ हुई थी। वह तेजी बाजार थाना क्षेत्र के रसिकापुर गांव की रहने वाली थी। गौराबादशाहपुर थानाध्यक्ष गंगासागर मिश्र ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों से तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पत्रकारपुरम में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस, शान से लहराया तिरंगा

नई पीढ़ी को उनके संघर्ष, त्याग और राष्ट्रप्रेम से प्रेरणा लेकर देश के विकास में निभानी चाहिए अपनी भूमिका

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर पत्रकारपुरम कॉलोनी स्थित पार्क में पत्रकारपुरम विकास समिति की ओर से भव्य ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पत्रकारों, परिजनों एवं एवं कालोनीवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत वातावरण में तिरंगा शान से लहराया गया और राष्ट्रगान के साथ देश की स्वतंत्रता एवं अखंडता के प्रति संकल्प व्यक्त किया गया।

इस अवसर पर डॉ. राजकुमार सिंह ने ध्वजारोहण कर उपस्थित लोगों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता केवल हमारे अधिकारों का प्रतीक नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति हमारे कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का भी स्मरण कराती है। देश की एकता, अखंडता, लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक समरसता को मजबूत करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

महामंत्री पुरुषोत्तम चतुर्वेदी ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों और अमर बलिदानियों के त्याग एवं संघर्ष के कारण आज हम स्वतंत्र वातावरण में जीवन जी रहे हैं। नई पीढ़ी को उनके संघर्ष, त्याग और राष्ट्रप्रेम से प्रेरणा लेकर देश के विकास में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। कॉलोनी परिसर में देशभक्ति के नारों और राष्ट्रप्रेम की भावना से माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा।

प्रमुख रूप से सर्व डॉ .अरविंद सिंह,अजय राय, ए के राय, एस के मेहरा, प्रदीप सिंह, एडवोकेट शिव प्रकाश सिंह मिथिलेश प्रकाश द्विवेदी रामदयाल, डा.विजय नारायन सिंह, दशरथ सिंह, जगधारी, वरुण सिंह, अवनीश उपाध्याय प्रकाश द्विवेदी, मोहम्मद शाहिद, आसिफ मोहम्मद, सरफराज, आर्यन यादव आदि उपस्थित थे।

रंग-ए-तिरंगा से रोशन हुआ मोहम्मद हसन कॉलेज, देशभक्ति के रंग में डूबा परिसर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मोहम्मद हसन ग्रुप ऑफ कॉलेजेस में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्साह, उमंग और देशभक्ति के जज्बे के साथ मनाया गया। समूह के विभिन्न संस्थानों में भव्य ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज में प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। मोहम्मद हसन इंटर कॉलेज में पूर्व प्रधानाचार्य बाबू खान, संरक्षक डॉ. अब्दुल कादिर खान और प्रधानाचार्य मोहम्मद नासिर खान ने संयुक्त रूप से तिरंगा फहराया।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर मोहम्मद हसन कॉलेज की भव्य इमारत को तिरंगे के रंगों से आकर्षक ढंग से रोशन किया गया। रात में जगमगाती कॉलेज की इमारत लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रही। इसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी तेजी से

साझा हुईं और लोगों ने इसे देश की आन, बान और शान से जोड़कर सराहा। समारोह के दौरान पूरा परिसर 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के जयघोष से गूंज उठा। सौदागर हाल में छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, कविताओं, नृत्य और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों को नमन किया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों और शिक्षकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में प्रबंध समिति के सदस्य, अतिथिगण, प्रधानाचार्य, प्राध्यापक, कर्मचारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। सभी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

बाउंड्री फांदकर ग्राम प्रधान के घर चोरी, 50 हजार नकद समेत घरेलू सामान ले गए चोर

महुली, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। विंढमगंज थाना क्षेत्र के जोरूखाड़ गांव में ग्राम प्रधान विमल यादव के घर शुक्रवार देर रात अज्ञात चोरों ने बाउंड्री फांदकर चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोर अलमारी में रखे दो गुल्लकों से करीब 50 हजार रुपये नकद समेत टॉर्च, चप्पल, सब्बल, कुल्हाड़ी, पंखा और छाता आदि सामान चोरी कर ले गए।

ग्राम प्रधान के मुताबिक, रात करीब 11 बजे परिवार के सभी सदस्य भोजन करने के बाद सो गए थे। शनिवार भोर करीब तीन बजे नींद खुलने पर घर के पीछे बाउंड्री का गेट, अंदर का गेट, दरवाजा और अलमारियां खुली मिलीं। घर का सामान बिखरा देखकर चोरी की जानकारी हुई। तलाश करने पर दोनों गुल्लक घर के बाहर टूटे मिले। छाता बाउंड्री के पास और पंखा करीब सौ मीटर दूर नाली में पड़ा मिला।

ग्राम प्रधान ने आशंका जताई कि चोरों ने वारदात से पहले किसी प्रकार का स्प्रे छिड़का होगा, जिससे परिवार के लोगों को चोरी की भनक नहीं लगी। हालांकि पुलिस जांच के बाद ही इसकी पुष्टि हो सकेगी।

सूचना पर डायल-112 पुलिस और विंढमगंज थाने के दरोगा सुनील राय मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

ग्राम प्रधान ने बताया कि इससे पहले वर्ष 2022 में उनकी कार रोककर गोली मारने का प्रयास किया गया था, जबकि वर्ष 2024 में भी उनके घर में चोरी हुई थी। उनका कहना है कि यह उनके साथ तीसरी घटना है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से चोरी का जल्द खुलासा करने और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है।

कला एवं साहित्य के संरक्षण और संवर्धन के संकल्प के साथ नई कार्ययोजना पर हुआ मंथन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कला एवं साहित्य के लिए समर्पित अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती जौनपुर की वार्षिक योजना बैठक दिनांक 16 अगस्त 2026, रविवार को नगर स्थित एक बैंक्वेट हॉल में संपन्न हुई। बैठक में विगत वर्ष की कार्यवाही की पुष्टि, वर्षभर किए गए कार्यों का प्रतिवेदन तथा आगामी सत्र की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में महामंत्री श्री अमित कुमार गुप्ता ने संस्था द्वारा विगत वर्ष किए गए विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। वहीं कोषाध्यक्ष श्री राजकमल जी ने संस्था के आय-व्यय का विस्तृत विवरण सदन के समक्ष रखा कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं ध्येय गीत के साथ हुआ। दीप प्रज्वलन काशी प्रांत की प्रांतीय उपाध्यक्ष श्रीमती सुचरिता गुप्ता जी, ₹कोशिश₹ संस्था के जिला अध्यक्ष श्री जनार्दन प्रसाद अस्थाना जी, काशी प्रांत के महामंत्री श्री सुजीत जी, संस्कार भारती जौनपुर के संरक्षक श्री रविन्द्र जी, अध्यक्ष डॉ. ज्योति दास जी एवं महामंत्री श्री अमित कुमार गुप्ता जी ने संयुक्त रूप से किया।

बैठक में संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी सदस्यों ने संस्था के आगामी कार्यक्रमों, गतिविधियों और संगठनात्मक विस्तार को लेकर अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

अपने संबोधन में श्री जनार्दन प्रसाद अस्थाना जी ने कहा कि कार्यकर्ता किसी भी संस्था की मजबूत रीढ़ होता है। कार्यकर्ता से ही संगठन की शक्ति और पहचान बनती है। उन्होंने कहा कि 'असली कार्यकर्ता वही है जो कार्य करता है।' जो व्यक्ति बिना किसी स्वार्थ और

संस्कार भारती जौनपुर की वार्षिक योजना बैठक संपन्न

भेदभाव के संस्था के कार्यों को आगे बढ़ाता है, वही वास्तव में संगठन के प्रति समर्पित कार्यकर्ता है। उन्होंने कहा कि संस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में कार्यकताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और कार्यकर्ता की असली पहचान संस्था के प्रति उसके समर्पण से होती है।

काशी प्रांत की प्रांतीय उपाध्यक्ष श्रीमती सुचरिता गुप्ता जी ने कहा कि आज अनेक लोक कलाएं, लोकगीत एवं लोक संगीत धीरे-धीरे विलुप्त होते जा रहे हैं। ऐसे समय में संस्कार भारती अपने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से इन लोक कलाओं एवं लोक परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि संस्कार भारती के कार्यकर्ता अपने तन, मन और धन से इस सांस्कृतिक अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने संस्कार भारती जौनपुर की कार्यशैली की विशेष प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां कार्यकताओं के बीच एक-दूसरे का सहयोग और समर्थन करने की भावना अत्यंत सराहनीय है।

उन्होंने विश्वास दिलाया कि संस्कार भारती जौनपुर को काशी प्रांत अथवा अखिल भारतीय स्तर पर किसी भी प्रकार के सहयोग की आवश्यकता होगी तो वह सदैव उनके साथ खड़ी रहेंगी।

काशी प्रांत के महामंत्री श्री सुजीत जी ने कहा कि आज का युवा अनेक प्रकार के भटकाव का सामना कर रहा है। ऐसे समय में संस्कार भारती जैसी संस्था बचपन से ही बच्चों में संस्कार, संस्कृति और रचनात्मकता के बीज बोने का कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि बाल्यावस्था में मिलने वाले संस्कार जीवनभर व्यक्ति का मार्गदर्शन करते हैं। युवा अवस्था में संस्कार भारती से जुड़ाव युवाओं को समाज और राष्ट्र के लिए एक सार्थक दिशा प्रदान करता है।

उन्होंने बताया कि संस्कार भारती कला के पांच प्रमुख विभागों के माध्यम से समाज के विभिन्न क्षेत्रों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। इनमें मंच कला, कला धरोहर, दृश्य कला, लोक कला एवं साहित्य कला प्रमुख हैं। इन विधाओं के माध्यम से भारतीय कला, संस्कृति और परंपराओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।

बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक प्रमुख श्री रामचंद्र जी का भी आगमन हुआ। उन्होंने संस्कार भारती के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था जमीन से जुड़कर निरंतर कार्य कर रही है और आज अपनी कार्यशैली के कारण नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है।

उन्होंने कहा कि संस्कार भारती की पहचान आज केवल देश तक सीमित नहीं है, बल्कि विदेशों में भी लोग संस्था के कार्यों और भारतीय कला-संस्कृति के प्रति उसके योगदान को जानते और समझते हैं।

उन्होंने विशेष रूप से संस्कार भारती की ग्रीष्मकालीन कार्यशालाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन कार्यशालाओं के माध्यम से बच्चों के मन में कला, संस्कृति, अनुशासन और अच्छे संस्कारों के बीज बोए जाते हैं। यही बच्चे आगे चलकर समाज और राष्ट्र के लिए अच्छे नागरिक बनने की दिशा में अग्रसर होते हैं।

बैठक के अंत में आगामी सत्र के कार्यक्रमों एवं गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने, अधिक से अधिक लोगों को भारतीय कला एवं संस्कृति से जोड़ने तथा संस्था के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

बैठक के समापन से पूर्व संस्था के सदस्यों एवं उनके निकट परिजनों के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की गई। दिवंगत आत्माओं की शांति एवं शोकाकुल परिवारों को संबल प्रदान करने के लिए सभी उपस्थित सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखा। इसके पश्चात सामूहिक रूप से 'वन्दे मातरम' का गायन किया गया और इसी के साथ वार्षिक योजना बैठक का विधिवत समापन हुआ।

संस्कार भारती जौनपुर की यह वार्षिक योजना बैठक संगठनात्मक मजबूती, सांस्कृतिक संरक्षण और भावी पीढ़ी को भारतीय संस्कारों से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुई।

रनापुर प्राथमिक विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

बरसठी, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बरसठी क्षेत्र के रनापुर प्राथमिक विद्यालय में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर को तिरंगे और आकर्षक सजावट से सजाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संजय कुमार प्रधान के साथ हौसला प्रसाद पांडेय एवं हकीम अहमद उपस्थित रहे। अतिथियों ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता दिवस के महत्व से अवगत कराते हुए देश की एकता, अखंडता और आपसी भाईचारे को मजबूत बनाए रखने का संदेश दिया।

इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, भाषण एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का दिल जीत लिया और विद्यालय परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें देश के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने राष्ट्रहित में कार्य करने तथा देश की प्रगति में अपना योगदान देने का संकल्प लिया। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान रनापुर प्राथमिक विद्यालय में पूरे दिन देशभक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा।

समाजवादी पार्टी रेणुकूट नगर इकाई कमेटी की मासिक बैठक संपन्न

रेणुकूट ,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)' सोनभद्र स्थित भगवान विश्वकर्मा मंदिर के प्रांगण में की गई कार्यक्रम में नगर कमेटी के पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्य को मनोनय पत्र देकर सम्मानित किया गया और समाजवादी पार्टी के प्रकोष्ठ लोहिया वाहिनी , मजदूर सभा, युवजन सभा, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड, व्यापार सभा, अल्पसंख्यक सभा, अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ, इन सभी प्रकोष्ठो के अध्यक्ष और महासचिव बनाए गए। इस कार्यक्रम में छात्र सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व ओबरा डिग्री कॉलेज के पूर्व अध्यक्ष अमरेश यादव अनुसूचित जनजाति पर प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व प्रत्याशी ओबरा 402 डॉ रवि सिंह गौड़ , पूर्व प्रत्याशी ओबरा 402 जिला पंचायत सदस्य सुनील सिंह गौड़ और मजबूत सभा के जिला अध्यक्ष छेदीलाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में सेक्टर, बूथ ,बीएलए और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता रेणुकूट नगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने की।

आयुर्वेद औषधालय में मनाई गई चरक जयंती

झुंझुनूं। जिले के मलसीसर ब्लॉक के आयुष्मान आरोग्य मंदिर, राजकीय आयुर्वेद औषधालय, कंकडेऊ खुर्द, में चरक जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। यहां के औषधालय प्रभारी डॉ. रामा कस्वां ने भगवान चरक की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर विधिवत पूजा-अर्चना कर चरक की स्तुति की गई। इस दौरान आयुर्वेद नर्स पूजा कुमारी तथा योग प्रशिक्षक पंकज एवं बबिता सहित उपस्थित रोगी जन द्वारा इस मौके पर चरक शपथ ग्रहण की। डॉ. कस्वां ने बताया कि चरक सप्ताह का उद्देश्य महर्षि चरक के आयुर्वेद में दिए गए अमूल्य योगदान एवं चरक संहिता में वर्णित स्वास्थ्य संरक्षण के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाना है।

सप्ताहभर आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने आमजन से संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या, योग एवं आयुर्वेद आधारित जीवनशैली अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि महर्षि चरक का स्वास्थ्य दर्शन आज भी स्वस्थ, संतुलित एवं निरोगी जीवन की मजबूत आधारशिला है। हमे भी उनके बताए गए मार्ग पर चलने की आज सख्त जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने डिजिटल प्रसारण के दौरान कोटेदारों को नए फैसले के बारे में दी जानकारी! कोटेदारों का लाभांश 90 से बढ़कर हुआ 125 रुपये प्रति क्विंटल

वाराणसी (उत्तरशक्ति) । जनपद के राजातालाब। आराजी लाइन ब्लॉक सभागार में खंड विकास अधिकारी सुरेंद्र सिंह यादव की देखरेख में कोटेदारों हेतु आयोजित मुख्यमंत्री का डिजिटल प्रसारण समाप्त होने के बाद रोहनिया विधायक डॉ. सुनील पटेल ने कोटेदारों के लिए सरकार द्वारा किए गए नए फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने कोटेदारों का लाभांश बढ़ाया है। अब तक कोटेदारों को 90 रुपये प्रति क्विंटल कमीशन मिलता था, जिसे 35 रुपये बढ़ाकर 125 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। उन्होंने पात्र लाभार्थियों को नए राशन कार्ड की स्वीकृति पत्र वितरण किया।खंड विकास अधिकारी सुरेंद्र सिंह यादव ने कहा कि अब कोटेदारों को मैनुअल कागजात और रजिस्टर रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ई-पॉस मशीन के माध्यम से अधिकांश कार्य ऑनलाइन होंगे। कोटेदार डिजिटल ई-पॉस से बिजली बिल जमा करने समेत अन्य ऑनलाइन सेवाएं भी दे सकेंगे। अपनी दुकानों पर नशीले पदार्थों को छोड़कर करीब 39 प्रकार की खाद्य सामग्री भी बेच सकेंगे। इससे कोटेदारों की आय बढ़ने के साथ ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर आवश्यक सुविधाएं मिलेंगी। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. महेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि सरकार प्रत्येक गांव में अन्नपूर्णा भवन बनवा रही है। इससे कोटेदारों को राशन की दुकान के लिए अलग से किराये का कमरा नहीं लेना पड़ेगा।खाद्य पूर्ति निरीक्षक पुलकित वत्स ने बताया कि अन्नपूर्णा भवन में दुकान संचालित होने से किराये और बिजली बिल के खर्च में बचत होगी। बढ़े हुए कमीशन का लाभ कोटेदारों को अधिक मिलेगा और दुकान संचालन का खर्च भी कम होगा। उन्होंने बताया कि सरकार बेटियों की शादी के लिए पात्र परिवारों को 60 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी दे रही है।खंड विकास अधिकारी ने पुष्प गुच्छ के साथ अंग वस्त्र देकर सभी अतिथियों का स्वागत किया।

सारनाथ महादेव मंदिर पर उमड़ा आस्था का जनसैलाब

श्रावण के तीसरे सोमवार और नागपंचमी पर श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

बक्शा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। श्रावण मास के तीसरे सोमवार और नागपंचमी पर्व के अवसर पर बक्शा थाना क्षेत्र के उतरेजपुर स्थित प्रसिद्ध सारनाथ महादेव मंदिर में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। भोर से ही मंदिर में जलाभिषेक और दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। श्रद्धालु हाथों में दूध, बेलपत्र, धतूरा, भांग, जल, फूल और माला लेकर अपनी बारी का घंटों इंतजार करते नजर आए। मंदिर परिसर के बाहर पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग करीब 500 मीटर से अधिक लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए बैरिकेडिंग की गई है। पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहकर श्रद्धालुओं को व्यवस्थित तरीके से दर्शन और जलाभिषेक करा रहा है। मंदिर परिसर में राजस्व कर्मियों समेत संबंधित अधिकारी अपनी टीम के साथ मौके पर मौजूद रहे। मंदिर संरक्षिका एवं पुजारिन माला शुक्ला ने बताया कि श्रावण मास के तीसरे सोमवार के साथ नागपंचमी पर्व होने के कारण इस बार श्रद्धालुओं की संख्या काफी अधिक रही। भक्तों के लिए मंदिर भोर करीब चार बजे ही खोल दिया गया था। सुबह से लेकर देर शाम तक करीब बीस हजार से अधिक श्रद्धालु दर्शन-पूजन और जलाभिषेक कर दिए। उन्होंने बताया कि देर शाम तक श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी रहा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लगातार व्यवस्था पर नजर बनाए हुए हैं, ताकि किसी श्रद्धालु को असुविधा न हो और दर्शन-पूजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सके।

वसई-विरार मनपा में टैक्स बढ़ोतरी, गड्ढों और कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजपा का जनआक्रोश मार्च

विरार। वसई-विरार महानगरपालिका प्रशासन द्वारा पानी के टैक्स और अन्य करों में कथित बढ़ोतरी, शहर की बदहाल सड़कों, गड्ढों, आवारा कुत्तों तथा बिना अनुमति निर्माण के मुद्दे को लेकर भाजपा ने रविवार, 16 अगस्त को जोरदार जनआक्रोश मार्च निकाला। विपक्ष के नेता मनोज गोपाल पाटिल और भाजपा जिला अध्यक्ष प्रज्ञा के. पाटिल के नेतृत्व में निकाले गए इस मार्च में बड़ी संख्या में नागरिक, महिलाएं, कार्यकर्ता और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए।

मार्च शाम 4 बजे विरार पश्चिम के जकात नाका से शुरू होकर महानगरपालिका मुख्यालय तक पहुंचा। इस दौरान सांसद डॉ. हेमंत सावरा, विधायक राजन नाइक, ग्रुप लीडर अशोक शेलके, सुदेश चौधरी, महेंद्र पाटिल सहित 43 नगरसेवक और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। डॉ. हेमंत सावरा, राजन नाइक और सुदेश चौधरी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मनपा प्रशासन और सत्ताधारी बहुजन विकास आघाड़ी पर तीखे सवाल उठाए। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में पानी के टैरिफ में करीब 100 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई है। इसके अलावा वॉटर सप्लाई बेनिफिट टैक्स और सीवेज फैसिलिटी बेनिफिट टैक्स के माध्यम से नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाला गया है। भाजपा का आरोप है कि बढ़े हुए बिलों के बावजूद कई इलाकों में नियमित और पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं हो रहा है, जिसके कारण नागरिकों और हाउसिंग सोसायटियों को निजी टैंकरों पर अतिरिक्त खर्च करना पड़ रहा है।

भाजपा ने 17 जुलाई 2026 की मनपा आमसभा का हवाला देते हुए कहा कि पानी के शुल्क में वृद्धि के प्रस्ताव का सदन में विरोध किया गया था और पार्टी के नगरसेवकों ने इस मुद्दे पर मतदान की मांग की थी। विरोध के बाद भाजपा नगरसेवकों ने आमसभा से वॉकआउट भी किया था। भाजपा नेताओं का आरोप है कि प्रशासनिक व्यवस्था की आड़ में नागरिकों पर आर्थिक बोझ डाला गया।

मार्च के दौरान शहर में गड्ढों और सड़क मरम्मत के नाम पर कथित अनियमितताओं का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। भाजपा ने सवाल किया कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद वसई-विरार की सड़कें आज भी खस्ताहाल क्यों हैं। पार्टी ने आरोप लगाया कि बारिश और बाढ़ के बाद कई सड़कों की स्थिति और खराब हो गई है।

भाजपा ने नालासोपारा जोन-3 में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, अमृत योजना 2.0 तथा गैस पाइपलाइन के लिए खोदी गई सड़कों को समय पर पुनर्निर्मित नहीं किए जाने पर भी मनपा प्रशासन को घेरा।

इस दौरान भाजपा नेताओं ने पूर्व में बहुजन विकास आघाड़ी द्वारा किए गए आंदोलनों का उल्लेख करते हुए विशेष ऑडिट की मांग दोहराई। भाजपा का कहना है कि यदि पूर्व में मनपा के वित्तीय लेन-देन और विकास कार्यों को लेकर लगाए गए आरोप गंभीर थे, तो अब सत्ता में रहते हुए जनता के सामने व्हाइट पेपर जारी किया जाना चाहिए।

भाजपा ने आवारा कुत्तों की समस्या और पेल्हार सहित विभिन्न क्षेत्रों में कथित अवैध निर्माण का मुद्दा भी उठाया। नेताओं ने मांग की कि मनपा प्रशासन सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच कराए और जनता के सामने खर्च, ठेके, सड़क निर्माण तथा टैक्स वसूली से संबंधित पूरा विवरण सार्वजनिक करे।

भाजपा नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि नागरिकों पर बढ़ाए गए आर्थिक बोझ, खराब सड़कों और कथित भ्रष्टाचार के मामलों में पारदर्शी कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

नारायण ज्ञान धाम में पूर्व पुलिस महानिरीक्षक बीपी त्रिपाठी ने किया ध्वजारोहण

सुल्तानपुर। जनपद के करौंदीकला क्षेत्र के ग्राम बीबीपुर तिवारी में स्थित नारायण ज्ञान धाम परिसर में आयोजित शनिवार को स्वतंत्रता दिवस समारोह कार्यक्रम में नारायण ज्ञान धाम के संस्थापक एवं पूर्व पुलिस महानिरीक्षक बीपी त्रिपाठी ने ध्वजारोहण किया । उपस्थित लोगों द्वारा राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम स्थल पर मुख्य अतिथि पूर्व प्राचार्य डा.इन्दुशेखर उपाध्याय, पूर्व आईजी बीपी त्रिपाठी,विशिष्ट अतिथि गण उदयभान सिंह, डा.रणजीत सिंह , रामलाल गुप्ता ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की गयी। सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत चांदनी तिवारी ने प्रस्तुत किया। नारायण ज्ञान धाम के संस्थापक एवं पूर्व आई. जी. बी. पी. त्रिपाठी ने

बच्चों को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वतंत्रता वही है जो विवेक, समानता और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करते हुए उपयोग की जाए। स्वतंत्रता का अर्थ गरीबी, असमानता और वैचारिक संकीर्णता से मुक्ति पाना भी है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संत तुलसीदास पीजी कालेज कादीपुर के पूर्वप्राचार्य डा.इन्दुशेखर उपाध्याय ने कहा कि सच्ची स्वतंत्रता वही है जो नैतिक मूल्यों और समाज के कल्याण के लिए निष्ठा के साथ निभाई जाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त शिक्षक उदयभान सिंह ने किया ?। कार्यक्रम का संचालन डा.हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव ने किया।विशिष्ट अतिथिगण पूर्व प्रधानाचार्य डा .रणजीत सिंह, सेवा निवृत्त शिक्षक रामलाल गुप्ता ने (वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में भारत का उदय) विषयों पर प्रकाश डाला। वक्ता के रूप में विजय बहादुर सिंह, आशाराम एडवोकेट, इन्द्र मणि दूबे,डा.विभा शुक्ला ने अपने विचार व्यक्त किए।

सम्मानित मंच पर आये सभी अतिथियो को चन्द्रभूषण तिवारी एवं बाल्मीक तिवारी नें माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।कक्षा 1 से लेकर पोस्ट ग्रेजुएट तक छात्र छात्राओं को दिए गये विषयों पर आधारित व्याख्यान प्रतियोगिता करायी गयी। जिसमें प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कार दिया गया। इन बच्चों को मिला पुरस्कार छात्रा चांदनी तिवारी, वैभव सिंह, प्रगति प्रजापति, अंकिता पाल,सितेश प्रजापति, शिवम कन्नौजिया, अमाया त्रिपाठी, शिवांग,शशांक, रहीम,प्राजंल, आरव कन्नौजिया, अर्तिका तिवारी, अनुष्का सिंह,राज प्रजापति,हर्ष प्रजापति, शिवांश प्रजापति,शिवा, आस्था, श्रेया ,आयुषी को मिला पुरस्कार । मौके पर प्रह्लाद तिवारी, धन्नजय त्रिपाठी, हौसिला तिवारी, जयनाथ सिंह,कृष्ण पाल सिंह, रमाशंकर मिश्र, विनोद तिवारी, हरिशंकर तिवारी,संजय मिश्र, हरीराम प्रजापति, विष्णु यादव, बाबूराम प्रजापति, घनश्याम प्रजापति, संजय प्रजापति,राम लौटन पांडे, राकेश तिवारी आदि लोग काफी संख्या में मौजूद रहे।

भारत में बॉर्डर और शहरी इलाकों में एंटी-ड्रोन पेट्रोलिंग की शुरूआत

रांची। इंद्रजाल रेंजर को गृह मंत्रालय से लगभग 155 करोड़ रुपए के ऑर्डर मिले हैं। इनमें रुपए145 करोड़ का ऑर्डर बॉर्डर सिक्योरिटी और लगभग रुपए 10 करोड़ का अर्बन पुलिस ऑर्डर वीवीआईपी सुरक्षा और शहरी सुरक्षा के लिए है। इंद्रजाल रेंजर एक खास तौर पर तैयार किया गया एंटी-ड्रोन पेट्रोल व्हीकल है, जो चलते हुए रोग ड्रोन्स को डिटेक्ट, ट्रैक, आइडेंटिफाई और काउंटर करने में सक्षम है। इसे बॉर्डर, वीवीआईपी रूट्स, सार्वजनिक आयोजनों, एयरपोर्ट्स और महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा के लिए मोबाइल काउंटर-यूएएस प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया गया है।

रेंजर में स्काई-ओएस के जरिए एडवांस्ड सेंसर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेंसर फ्यूजन, कमांड एंड कंट्रोल और कई स्तरों वाले काउंटरमेजर्स को एकीकृत किया गया है। इसकी तीन प्रमुख सुरक्षा क्षमताएं हैं—रिट्रैक्टर, लक्ष्मण रेखा और नेट इंटरसेप्टर। इंद्रजाल रेंजर भारत का एकमात्र एआरडीटीसी से अप्रूव्ड एंटी-ड्रोन पेट्रोल व्हीकल है।

कृषि वैज्ञानिक पर कर्मचारियों ने किया हमला, चार के खिलाफ एफआईआर दर्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । कृषि विज्ञान केंद्र बक्सा में तैनात वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सुरेश कुमार कन्नौजिया पर कथित रूप से उनके ही कर्मचारियों समेत चार लोगों द्वारा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना 14 अगस्त की शाम पॉलिटेक्निक चौराहे के पास की बताई जा रही है। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मारपीट, जान से मारने की धमकी और जातिसूचक शब्दों के प्रयोग समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बताया गया कि डॉ. सुरेश कुमार कन्नौजिया, निवासी हुसैनाबाद, थाना लाइन बाजार, 14 अगस्त की शाम करीब सात बजे नईगंज स्थित चिकित्सक के यहां से दवा लेकर स्कूटी से घर लौट रहे थे। आरोप है कि पॉलिटेक्निक चौराहे के पास राजीव कुमार सिंह निवासी चुनार, मिजार्पुर, रूपेश कुमार सिंह निवासी पीपरी, अमेठी, हरिओम वर्मा तथा एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें रास्ते में रोक लिया।

रास्ते में रोककर मारपीट का आरोप, स्कूटी क्षतिग्रस्त कर जान से मारने की धमकी देने का भी दावा

आरोप है कि हमलावरों ने डॉ. कन्नौजिया को स्कूटी से गिराकर गाली-गलौज करते हुए मारपीट की और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। इस दौरान उनकी स्कूटी में भी डंडे से तोड़फोड़ कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया गया। पीड़ित के मुताबिक, हमलावर जाते समय उन्हें जान से मारने की धमकी भी दे गए।

बताया जा रहा है कि कुछ दिन पूर्व डॉ. कन्नौजिया ने कार्य में कथित लापरवाही को लेकर राजीव कुमार सिंह, रूपेश कुमार सिंह और हरिओम वर्मा के खिलाफ कार्रवाई के लिए निदेशक प्रसार को पत्र लिखा था। पीड़ित ने इसी शिकायत को हमले की वजह बताया है।

घटना के बाद घायल वैज्ञानिक ने कोतवाली पुलिस को लिखित तहरीर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल घटना में किसी आरोपी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं है।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जल जीवन मिशन के लंबित फंड के लिए दिल्ली पहुंचे डॉ. हेमंत सावरा

पालघर (उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के पहाड़ी एवं दूर-दराज आदिवासी क्षेत्रों में पेयजल की समस्या को दूर करने के लिए पालघर सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने केंद्र सरकार के समक्ष जल जीवन मिशन के लंबित कार्यों का मुद्दा उठाया। 12 अगस्त 2026 को उन्होंने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल से मुलाकात कर लंबित योजनाओं के लिए तत्काल केंद्रीय निधि जारी करने की मांग की।

पालघर में जल जीवन मिशन के तहत 562 पाइप्ड वॉटर सप्लाई योजनाओं को मंजूरी मिली है, जिनकी कुल लागत करीब 935 करोड़ रुपये है। बताया गया कि करीब 79 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन अब तक केवल 50 से 52 प्रतिशत फंड ही प्राप्त हुआ है। फंड की कमी के कारण लगभग 230 करोड़ रुपये का भुगतान लंबित है।

डॉ. सावरा ने मांग की कि महाराष्ट्र की लंबित जल जीवन

मिशन योजनाओं के लिए जल्द से जल्द केंद्रीय निधि जारी की जाए, ताकि अधूरे काम बिना रुकावट पूरे हो सकें। उन्होंने पुरानी, सिंगल विलेज और मल्टी विलेज योजनाओं की रेट्रोफिटिंग के लिए फंड आवंटन में लचीलापन रखने की भी मांग की।

सांसद ने रठअ-रढअफ़ल्ल सिस्टम की तकनीकी दिक्कतों को तत्काल दूर करने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि इन समस्याओं के कारण करीब 472 करोड़ रुपये की केंद्रीय निधि का उपयोग नहीं हो पा रहा है। उन्होंने सिस्टम की कठिन शर्तों में आवश्यक ढील देने अथवा जरूरत पड़ने पर पुराने ढक्कर सिस्टम से फंड खर्च करने की अनुमति देने का सुझाव दिया।

डॉ. सावरा ने कहा कि गर्मी के दिनों में आदिवासी और ग्रामीण परिवारों को पानी के लिए काफी संघर्ष करना पड़ता है। समय पर फंड उपलब्ध होने से लंबित योजनाएं जल्द पूरी होंगी और लोगों के घरों तक नल से स्वच्छ पेयजल पहुंचाया जा सकेगा। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से इस मामले में व्यक्तिगत रूप से ध्यान देकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने का आग्रह किया।

डॉ राजेंद्र कुमावत बने सलाहकार मंडल के सदस्य

झुंझुनूं। राजस्थान आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी संघ, शाखा झुंझुनूं की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह गरिमामय वातावरण में आयोजित हुआ। समारोह में वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेंद्र कुमावत चिराना को संघ के सलाहकार मंडल के सदस्य का दायित्व सौंपते हुए उन्हें सम्मानित किया गया।

समारोह में उपनिदेशक आयुर्वेद विभाग डॉ. अश्विनी कुमार की गरिमामय उपस्थिति रही। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष डॉ. मस्तराम महंत,जिला शाखा झुंझुनूं के अध्यक्ष डॉ. रोहिताश्व जांगिड़,पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ. मदनलाल सैनी,वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. पुरुषोत्तम शर्मा,डॉ. श्रवण गोदारा, डॉ. पूनम राठी सहित जिले के अनेक आयुर्वेद चिकित्सक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नवगठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को पद एवं कर्तव्य की

शपथ दिलाई गई। वक्ताओं ने संघ की एकजुटता, चिकित्सकों के हितों तथा आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को और अधिक प्रभावी एवं जनोपयोगी बनाने को लेकर अपने विचार व्यक्त किए। साथ ही जिला अध्यक्ष के कार्यकाल को मजबूत बनाने तथा संघ की गतिविधियों को गति देने के लिए पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया।

डॉ. राजेंद्र कुमावत को सलाहकार मंडल में दायित्व मिलने पर उपस्थित चिकित्सकों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर डॉ. कुमावत ने संघ द्वारा दी गई जिम्मेदारी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए चिकित्सक हितों एवं आयुर्वेद के विकास के लिए सकारात्मक भूमिका निभाने का विश्वास भी दिलाया।

कार्यक्रम का सुगम एवं प्रभावी संचालन डॉ. अशोक कुमार ने किया। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

विश्व ब्राह्मण समाज कल्याण एवं सरयूपारीण ब्राह्मण की 21वीं भव्य सभा संपन्न

कल्याण पश्चिम (उत्तरशक्ति)। विश्व ब्राह्मण समाज कल्याण एवं सरयूपारीण ब्राह्मण समाज की 21वीं भव्य सभा का आयोजन रविवार, 16 अगस्त को के. एम. अग्रवाल कॉलेज ऑडिटोरियम, गांधारी, कल्याण पश्चिम में किया गया। कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारियों, गणमान्य नागरिकों एवं बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच फाउंडेशन पवित्र गठबंधन सभा के अध्यक्ष डॉ. विजय पंडित ने की। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रेम शुक्ला उपस्थित रहे। वहीं परम पूज्य वशिष्ठ नारायण मिश्रा बाबू जी का सभी उपस्थितजनों को आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर रामचंद पाण्डेय, ओमप्रकाश दुबे, मुरलीधर तिवारी, विजय तिवारी, ओमप्रकाश पांडेय, दर्शन तिवारी, विजय त्रिपाठी, राजेश पाठक, नागेश मिश्रा, जितेंद्र पंडित, मनीष मिश्रा सहित विश्व ब्राह्मण समाज के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान समाज की एकता, सामाजिक सहयोग एवं समाजहित में निरंतर कार्य करने पर जोर दिया गया। उपस्थित अतिथियों एवं समाजबंधुओं ने आयोजन की सराहना की।

अंत में संजय उपाध्याय एवं रतन मिश्रा ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों, पदाधिकारियों एवं समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

पीएनजी ज्वेलर्स की ओर से हर महिला के लिए कंटेम्प्ररी डिजाइन के साथ वार्षिक मंगलसूत्र महोत्सव का आयोजन

मुंबई/नवी मुंबई। भारत में विवाह समारोह में सबसे पवित्र प्रतीकों में माना जानेवाला मंगलसूत्र के महत्व का उत्सव मनाते हुए पीएनजी ज्वेलर्स ने अपने बहुप्रतीक्षित मंगलसूत्र महोत्सव की घोषणा की है. यह महोत्सव १३ अगस्त से १३ सितंबर २०२६ तक भारत भर के सभी पीएनजी ज्वेलर्स शोरूम में आयोजित किया जाएगा. इस वार्षिक महोत्सव में अब तक का सबसे विस्तृत मंगलसूत्र कलेक्शन प्रस्तुत किया जाएगा. यह कलेक्शन आधुनिक भारतीय महिलाओं की बदलती पसंद को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है और पारंपरिक ज्वेलरी के महत्व को भी बनाए रखा गया है। पिछले कुछ वर्षों में मंगलसूत्र महोत्सव पीएनजी ज्वेलर्स की प्रमुख वार्षिक उपक्रमों में से एक बन चुका है. इस महोत्सव में ग्राहकों के लिए पारंपरिक, आधुनिक और लाइटवेट मंगलसूत्रों की विस्तृत श्रृंखला पेश की जाती है. यह मंगलसूत्र त्योहारों के साथ-साथ रोज के लिए भी उपयुक्त हैं. इस वर्ष का कलेक्शन ग्राहकों की बदलती पसंद को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है, जिसमें आकर्षक सोने का मंगलसूत्र, सॉलिटेयर इंस्पायर्ड डायमंड स्टाइल्स, मिनिमलिस्ट डेली वियर डिजाइन्स और परंपरा के साथ व्यक्तित्व के लिए ज्वेलरी शामिल है. इस अवसर पर पीएनजी ज्वेलर्स के अध्यक्ष और व्यवस्थापकीय संचालक डॉ. सौरभ गाडगील ने कहा,मंगलसूत्र हमेशा से भावनात्मक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है, लेकिन आज की महिलाएँ इसे पहनने और अपनी शैली में अपनाने का नया दृष्टिकोण प्रस्तुत कर रही हैं. पीएनजी ज्वेलर्स में हमारी कोशिश रही है कि हम इसके सांस्कृतिक महत्व को बनाए रखें और साथ ही ऐसे डिजाइन पेश करें जो आज की जीवनशैली के लिए अनुकूल हों.

गोवा सरकार ने दी वोकल फॉर लोकल अभियान को गति, किसान और उद्यमी प्राथमिकता

मुंबई/ पणजी। गोवा सरकार 'स्वयंपूर्ण गोवा' पहल के तहत अपने वोकल फॉर लोकल अभियान को गति दे रही है। इसके तहत कृषि विभाग ने स्थानीय कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने और कृषि-उद्यमियों की सहायता के लिए 90 दिवसीय विशेष कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। इस पहल का मुख्य मकसद किसानों और स्थानीय उद्यमों के लिए बाजार में नए और बेहतर अवसर बनाना है। यह कार्यक्रम जब गोवा लोकल चुनता है, तो गोवा बढ़ता है के संदेश पर आधारित है। अगले 90 दिनों के दौरान किसान, कृषि संस्थान, कृषि-उद्यमी और अन्य हितधारक स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए एक साथ एक मंच पर आएंगे। अभियान के दौरान उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन,

ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। यही नहीं कार्यक्रम के दौरान कृषि उत्पादों और नई पहलों पर केंद्रित प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने कहा कि यह अभियान गोवा में उगाए और बनाए जाने वाले उत्पादों को विशिष्ट पहचान दिलाने की दिशा में मीलस्तंभ साबित होगा। उन्होंने बताया कि यह पहल राज्य की 'अमृत काल की कृषि नीति' के अनुकूल है, जिसमें एकीकृत कृषि, जैविक खेती को बढ़ावा देने और कृषि क्षेत्र में रोजगार व स्वरोजगार के नए अवसर पैदा करने पर जोर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से स्थानीय स्तर पर उगाएं, स्थानीय स्तर पर बनाएं, स्थानीय स्तर पर खरीदें और स्थानीय स्तर पर बेचने की भी अपील की। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि स्थानीय उत्पादन को पर्याप्त मांग, वैल्यू एडिशन और बेहतर बाजार पहुंच का सहयोग मिलना चाहिए। उन्होंने ग्रामीण विकास एजेंसी के तहत कृषि-उद्यमियों और कृषि उत्पादों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि गोवा के उत्पादों में अंतरराज्यीय और राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचने की पूरी क्षमता है। काजू, बांस और आम बोर्ड के गठन पर विचारमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार भविष्य में काजू, बांस और आम बोर्ड के गठन पर भी विचार कर रही है। उन्होंने कॉयर और अन्य स्थानीय संसाधनों के व्यापक उपयोग की संभावनाओं पर भी जोर दिया।

इस अवसर पर कृषि सचिव निखिल देसाई (आइएएस), आईसीएआर के डॉ. परवीन कुमार, कृषि निदेशक चंद्रहास देसाई, गोवा कृषि महाविद्यालय के प्राचार्य, आईसीएआर व कृषि विभाग के प्रतिनिधि, किसान, कृषि-उद्यमी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अन्नपूर्णा लींक रोड स्थित तिरंगा चौक पर ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर के अन्नपूर्णा लींक रोड स्थित तिरंगा चौक पर शनिवार 15 अगस्त 2026 सुबह 10:30 बजे ध्वजारोहण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। 80 वें स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर विश्वकर्मा नगर, सुदामा नगर की समाजसेविका श्रीमती निर्मला त्रेहान के कर कमलों द्वारा ध्वजारोहण किया गया। उस शुभ अवसर पर इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकर लालवानी मुख्य सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। सभी लोगों ने सबसे पहले वंदे मातरम का गीत गाया। तत्पश्चात राष्ट्रगान गाते हुए झंडे को सलामी दी। भारत माता की जय, वंदे मातरम के नारों के साथ वातावरण गूंज उठा। उस शुभ अवसर पर स्थानीय मातृशक्ति बड़ी संख्या में उपस्थित थी। नगर निगम के पूर्व पार्षद भरत पारिक, वर्तमान पार्षद महोदया एवं पूर्व पार्षद श्रीमती कंचन गिदवानी, अभय बागरेचा, विनोद बिड़ला, दैनिक उत्तर शक्ति के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, सुदामा नगर के गोविंद प्रसाद सोनी, प्रदीप व्यास, अजय व्यास, दिनेश शर्मा, मनीष पाठक, राकेश पाण्डेय, सुनील शरद सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। वरिष्ठ नागरिक शर्मा ने शहिदों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमें आजादी सरलता से नहीं मिली है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने उपस्थित सभी लोगों को संबोधित करते हुए कहा वंदे मातरम के 150 वर्ष के बाद देश में सम्मान मिला हम सब देशभक्तों को गर्व है। इंदौर के विकास के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

रत्नवीर प्रिसीजन इंजीनियरिंग का शेयर 244.75 के नए 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर पर, एक महीने में 30.22% चढ़ा

मुंबई। रत्नवीर प्रिसीजन इंजीनियरिंग लिमिटेड के शेयर में मजबूत तकनीकी तेजी देखने को मिली है। कंपनी का शेयर 244.75 के नए 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जो इस महीने दर्ज किया गया पांचवां नया 52-सप्ताह का उच्चतम स्तर है। पिछले एक महीने में कंपनी के शेयर ने 30.22% का रिटर्न दिया है। यह लगातार बनी हुई खरीदारी की रुचि और बाजार में कंपनी के प्रति बेहतर होते निवेशक रुझान को दर्शाता है। हाल की ट्रेडिंग रेंज से शेयर के ऊपर निकलने से इसकी सकारात्मक तकनीकी स्थिति और आगे बढ़ने की गति और मजबूत हुई है। बाजार में कंपनी को लेकर सकारात्मक गतिविधियों के बीच, निर्मलकुमार पारीक ने एक बल्क डील के माध्यम से रत्नवीर प्रिसीजन इंजीनियरिंग के 6,00,000 शेयर 228 प्रति शेयर की कीमत पर खरीदे। इस लेनदेन का कुल मूल्य लगभग 13.68 करोड़ रहा।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में भी मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 265 करोड़ की तुलना में वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में कंपनी का राजस्व बढ़कर 318 करोड़ हो गया। इसी अवधि में EBITDA 27 करोड़ से बढ़कर 36 करोड़ रहा, जबकि कर पश्चात लाभ 15 करोड़ के मुकाबले बढ़कर 18.2 करोड़ हो गया। यह कंपनी के परिचालन प्रदर्शन में लगातार हो रहे सुधार को दर्शाता है। कंपनी के भविष्य के विकास की संभावनाओं को मजबूत करने वाली प्रमुख परियोजनाओं में कॉपर क्लैड लैमिनेट (CCL) प्रोजेक्ट भी शामिल है। यह परियोजना लगभग 60% पूरी हो चुकी है और इसमें नवंबर 2026 से व्यावसायिक उत्पादन शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। इस परियोजना पर लगभग 472.34 करोड़ का निवेश किया जा रहा है। इसके पूरा होने के बाद इलेक्ट्रॉनिक्स मटेरियल्स के तेजी से बढ़ते क्षेत्र में कंपनी की मौजूदगी और मजबूत होने की उम्मीद है। इसके अलावा, कंपनी को 330 करोड़ की फंड जुटाने की योजना के लिए सैद्धांतिक मंजूरी भी मिल चुकी है। इससे कंपनी की विस्तार योजनाओं और भविष्य की विकास पहलों को वित्तीय समर्थन मिलने की उम्मीद है। मजबूत तकनीकी ब्रेकआउट, बेहतर तिमाही प्रदर्शन, बल्क डील में खरीदारी, लगातार नए 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर बनना, CCL प्रोजेक्ट में प्रगति और प्रस्तावित फंडरेज जैसे कई सकारात्मक संकेत रत्नवीर प्रिसीजन इंजीनियरिंग में निवेशकों की बढ़ती रुचि को दर्शाते हैं। ये घटनाक्रम कंपनी के बदलते और मजबूत होते विकास प्रोफाइल की ओर भी संकेत करते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जा विनिर्माण के लिए 7,877 करोड़ रुपये निवेश के 31 प्रस्तावों को मंजूरी

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन ने सोमवार को कहा कि सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जा विनिर्माण योजना के तहत 31 नए प्रस्तावों को मंजूरी दी है, जिनमें 7,877 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है। कृष्णन ने बताया कि सरकार को अब तक कुल 69,548 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं, जबकि योजना के तहत 59,350 करोड़ रुपए के निवेश का लक्ष्य रखा गया था। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग संगठन एल्सीना और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ''फिलहाल हमने करीब 31 आवेदनों को मंजूरी दी है... और जिन निवेशों की हम बात कर रहे हैं, उनकी कुल राशि 7,877 करोड़ रुपए है।'' स्वीकृत निवेश प्रस्तावों में जीएक्स ग्रुप, सेंटम इलेक्ट्रॉनिक्स, एन्नोवी मोबिलिटी सॉल्यूशंस, एलायड इंजीनियरिंग वर्क्स, ग्लोब कैपेसिटर्स, सिरमा एसजीएस टेक्नोलॉजी, रोसेनबर्गर इंटरकनेक्ट, सेनसाटा टेक्नोलॉजीज, ब्रिटानिया आरएफआईडी टेक्नोलॉजीज जैसी कंपनियां शामिल हैं। कृष्णन ने कहा कि ये निवेश 10 राज्यों में किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन मंजूरियों से कुल 82,243 करोड़ रुपए का उत्पादन होगा और रोजगार के करीब 10,000 अवसर सृजित होंगे। इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जा विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) अप्रैल, 2025 में शुरू की गई थी। इसके तहत देश में इलेक्ट्रॉनिक्स कलपुर्जे की विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन दिए जाते हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बदलेगी भारत के चीनी उद्योग की तस्वीर

मुंबई। भारत का चीनी उद्योग एक ऐतिहासिक बदलाव के मुहाने पर खड़ा है। अब उद्योग में बढ़त केवल कारखानों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने से नहीं, बल्कि एआई और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग के जरिए मौजूदा परिचालन को अधिक कुशल, टिकाऊ और पूवार्नुमान योग्य बनाने से मिलेगी। दशकों से चीनी मिलें पुराने डेटा, ऑपरेटरों के व्यक्तिगत अनुभव और समय-समय पर की जाने वाली योजना पर निर्भर रही हैं। हालाँकि, पारंपरिक प्रणालियाँ केवल यह बताती हैं कि अतीत में क्या हुआ, जबकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म्स यह अनुमान लगाने में सक्षम हैं कि आगे क्या होने की संभावना है और उसके अनुसार कारखानों को क्या कदम उठाने चाहिए। चीनी मिलों में गन्ने की घटती-बढ़ती गुणवत्ता, निष्कर्षण, रिकवरी दर, उपकरणों का प्रदर्शन और ऊर्जा खपत एक-दूसरे से पूरी तरह जुड़े होते हैं। LÔctÔAI जैसे इंडस्ट्रियल अकप्लेटफॉर्म्स इस परिचालन डेटा का विश्लेषण करके टीमों को संभावित चुनौतियों का पहले से अनुमान लगाने और उपकरण खराब होने या नुकसान होने से पहले ही सुधारात्मक कदम उठाने में सक्षम बनाते हैं। उद्योग में अककी बढ़ती भूमिका और इसके दूरगामी प्रभावों पर टिप्पणी करते हुए फाइंडेबिलिटी साइंसेज के संस्थापक और सीईओ आनंद माहुरकर ने कहा, भारत के चीनी उद्योग का भविष्य केवल इस बात से तय नहीं होगा कि हम कितना उत्पादन करते हैं, बल्कि इससे तय होगा कि हम कितनी बुद्धिमानी से काम करते हैं। कचीनी मिलों को अतीत के अनुभवों से आगे बढ़कर भविष्यदृष्टि अपनाने में मदद कर सकता है–यानी परिचालन डेटा का उपयोग करके चुनौतियों का पहले से अनुमान लगाना, संसाधनों का सही उपयोग करना और तेजी से व बेहतर निर्णय लेना। यही वह जगह है जहाँ स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग, उत्पादकता, लाभप्रदता और स्थिरता में बड़ा बदलाव ला सकती है।

भारत फोर्ज को पहली तिमाही में 89.89 करोड़ रुपए का शुद्ध घाटा

नई दिल्लीः वाहन कलपुर्जा विनिमार्ता कंपनी भारत फोर्ज लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में 89.89 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि उसकी जर्मनी स्थित अनुषंगी इकाई के पुनर्गठन के लिए किए गए प्रावधान के कारण वह घाटे में रही। कंपनी को पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 283.87 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ था। भारत फोर्ज ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में उसकी एकीकृत आय बढ़कर 4,639.94 करोड़ रुपए हो गई, जो 2025-26 की समान तिमाही में 3,908.75 करोड़ रुपए थी। कंपनी ने कहा कि उसकी जर्मनी स्थित अनुषंगी इकाई भारत फोर्ज सीडीपी जीएमबीएच (बीएफ सीडीपी) को बाजार की चुनौतियों और लागत संबंधी प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है।

कियारा ने कूडो में जीता गोल्ड, अब नेशनल प्रतियोगिता में दिखाएंगी दम

-लाल शेखर सिंह ब्यूरो

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र स्टेट कूडो टूर्नामेंट में छोटी सी कियारा मनोज सिंह ने शानदार प्रदर्शन कर परिवार और मुंबई का नाम रोशन किया है। कियारा ने अंडर-10 बालिका के 27 किलो भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। 16 अगस्त 2026 को मुंबई के अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में कियारा ने अपने शानदार खेल से पहला स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता कूडो एसोसिएशन महाराष्ट्र की ओर से आयोजित की गई थी। कियारा की इस जीत के साथ ही उसका चयन नवंबर 2026 में अहमदाबाद में होने वाली राष्ट्रीय कूडो प्रतियोगिता के लिए हो गया है। अब कियारा राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाएंगी। कियारा की सफलता से उसके परिवार और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। सिटीझिंड इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड की ओर से भी कियारा को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। परिजनों का कहना है कि कियारा ने मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया है। उन्हें उम्मीद है कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी कियारा शानदार प्रदर्शन कर देश और परिवार का नाम रोशन करेगी।

श्री चारभुजा पैदल यात्री संघ के तरफ से घर-घर बाँटे पीले चावल

इंदौर (उत्तरशक्ति)। श्री चारभुजानाथ पैदल यात्री संघ इंदौर द्वारा पद यात्रा के गौरवशाली 40वें वर्ष के अवसर पर इंदौर से चारभुजा जी निशुल्क पदयात्रा के अंतर्गत निकलने वाली भव्य शोभायात्रा के निमंत्रण पत्र समाज की धर्म प्रेमी जनता को घर-घर जाकर पीले चावल देकर शोभायात्रा में सम्मिलित होने का निमंत्रण पत्र दिया जा रहा है। साल में एक बार पैदल यात्रा के माध्यम से श्री चारभुजानाथ जी की भव्य शोभायात्रा के प्रति समाज जनों में काफी उत्साह देखा गया। प्रत्येक घर पर पद यात्री संघ के सदस्यों का सम्मान करके शोभायात्रा का निमंत्रण पत्र स्वीकार किया जा रहा है एवं शोभायात्रा में सम्मिलित होने का पूर्ण विश्वास के साथ आश्वासन दिया गया। इस अवसर पर पालीवाल ब्राह्मण समाज पंचायत 44 श्रेणी इंदौर के कार्यकारिणी सदस्य प्रमोद रंगलाल दवे, ओमप्रकाश भेरुलाल जी जोशी, मुकेश गोपीलाल जी व्यास, एवं पदयात्रा संघ के सेवक विशाल पुरोहित, हेमू कालानी नगर, विजय जोशी (पार्षद), देवेन्द्र बागोरा, विशाल पुरोहित दुर्गा नगर आदि कई भक्तगण साथ थे।आयोजकःप्तश्री चारभुजानाथ पैदल यात्री संघ, इंदौर यात्रा संयोजकःप्तसंतोष हीरालाल जी जोशी यह जानकारी प्रदीप व्यास ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

तेज रफ्तार स्कार्पियो ने बाइक में मारी जोरदार टक्कर, तीन गम्भीर

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के बादशाही मनेछा के समीप सोमवार को तेज रफ्तार स्कार्पियो की चपेट में आने से बाइक सवार तीन युवक गम्भीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद राहगीरों ने तत्काल घायलों की मदद की और पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँच गई और राहगीरों की सहायता से तीनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजवाया। जानकारी के अनुसार सीतापुर निवासी दुर्गेश पुत्र रामपाल, विकास पुत्र मनराम तथा देशराम पुत्र राजकुमार एक ही बाइक पर सवार होकर धौराइल से शाहगंज सीमेंट लोड करने के लिए जा रहे थे। बताया गया कि तीनों युवक खेतासराय थाना क्षेत्र के बादशाही मनेछा के समीप पहुँचे ही थे कि इसी दौरान खेतासराय की ओर से आ रही तेज रफ्तार स्कार्पियो ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। अचानक हुई जोरदार भिड़ंत से बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर गिर पड़े और गम्भीर रूप से घायल हो गए। हादसा देख आसपास के लोग मौके की ओर दौड़ पड़े। कुछ ही देर में घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। राहगीरों ने घायलों को संभालते हुए पुलिस को सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाने की व्यवस्था की। घायलों की हालत गम्भीर बताई जा रही है। वहीं, पुलिस की तत्परता से दुर्घटना में शामिल स्कार्पियो को चालक समेत हिरासत में लिए जाने की बात सामने आ रही है।

शौच के लिए निकले युवक का नदी किनारे मिला क्षत-विक्षत शव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के बिरोजपुर गांव में उस समय सनसनी फैल गई, जब गोमती नदी के किनारे एक युवक का क्षत-विक्षत शव झाड़ियों में फंसा हुआ मिला। मृतक की पहचान राम जनक मौर्य उर्फ टिशू के रूप में हुई है। इस घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का सीधा आरोप है कि युवक की बेरहमी से हत्या करने के बाद साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को नदी में फेंका गया था। वहीं, घटना को लेकर स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, साहेब लाल का दूसरे नंबर का बेटा राम जनक मौर्य (टिशू) बीते 14 अगस्त 2026 की सुबह घर से शौच के लिए निकला था। जब वह काफी देर तक वापस नहीं लौटा, तो परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने उसके मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उसका फोन लगातार स्विच ऑफ आ रहा था।

किसी अनहोनी की आशंका में बदहवास परिजन तुरंत स्थानीय थाने पहुंचे। परिजनों का आरोप है कि जब वे युवक की गुमशुदगी की शिकायत लेकर जफराबाद थाने पहुंचे, तो पुलिस ने संवेदनहीन रवैया अपनाया। पुलिसकर्मियों ने परिजनों को यह कहकर टरका दिया कि जाओ पहले खुद खोजो, 24 घंटे पूरे होने के बाद ही गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। पुलिस से मदद न मिलने पर परिजनों ने खुद ही रात भर अपने स्तर से युवक की तलाश जारी रखी, लेकिन उसका कहीं सुराग नहीं लगा। अगले दिन दोपहर में बिरोजपुर गांव के पास गोमती नदी के किनारे किसी ग्रामीण ने एक शव देखा। सूचना मिलते ही परिजन और भारी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। नदी के किनारे झाड़ियों में फंसा हुआ शव लापता राम जनक मौर्य का ही था। शव की स्थिति बेहद खराब और क्षत-विक्षत थी, जिसे देखकर परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई। शव की क्षत-विक्षत हालत को देखकर परिजनों का पूरा शक है कि राम जनक की किसी ने सोची-समझी साजिश के तहत हत्या की है। हत्यारों ने शव को ठिकाने लगाने के लिए उसे नदी में फेंक दिया था, लेकिन वह बहने के बजाय झाड़ियों में फंस गया। परिजनों का कहना है कि वे न्याय के लिए लगातार जफराबाद थाने का चक्कर काट रहे हैं, लेकिन पुलिस अभी तक हत्या का मुकदमा दर्ज नहीं कर रही है। पुलिस का कहना है कि वे पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने का इंतजार कर रहे हैं और रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के इस रवैये से पीड़ित परिवार में भारी आक्रोश और असंतोष है।

सावन के तीसरे सोमवार पर हेलिकॉप्टर से शिवभक्तों का स्वागत, बाबा विश्वनाथ के दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब

वाराणसी. काशी में सावन का तीसरा सोमवार केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं था, बल्कि सोमवार की भोर से लेकर रात तक पूरी नगरी शिवमय रही। गंगा की लहरों से उठती आस्था, गलियों में गूंजता डमरू, मंदिरों में बजते घंटे-घड़ियाल, कांवड़ियों के कंठ से निकलता ह्यबोल बमह्ल और हर दिशा में गूंजता ह्यहर-हर महादेवह्न–सोमवार को काशी ने शिवभक्ति की ऐसी तस्वीर रची, जिसमें आस्था और उत्सव एकाकार हो गए। इसी बीच आसमान से बरसी गुलाब की पंखुड़ियों ने इस दृश्य को और अलौकिक बना दिया।

शिवभक्तों और कांवड़ियों पर जिला प्रशासन की ओर से हेलिकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल और जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने हेलिकॉप्टर से श्रद्धालुओं पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाकर उनका स्वागत किया। जैसे ही आकाश में हेलिकॉप्टर की गड़गड़ाहट सुनाई दी और उसके बाद फूलों की बारिश शुरू हुई, नीचे उमड़े श्रद्धालुओं में उत्साह की लहर दौड़ गई। किसी ने हाथ उठाकर स्वागत किया तो किसी के कंठ से अनायास ही हर-हर महादेव का जयघोष फूट पड़ा। आसमान से बरसते फूल और धरती पर शिवनाम का घोष–काशी के इस दृश्य ने सावन के तीसरे सोमवार को यादगार बना दिया। बाबा विश्वनाथ के जलाभिषेक की उत्कंठा ऐसी थी कि रविवार की रात से ही श्रद्धालु गंगा स्नान कर कतारों में लग गए। पूरी रात इंतजार के बावजूद चेहरों पर थकान से अधिक बाबा के दर्शन की आतुरता दिखाई दी। सोमवार की भिनसारे मंगला आरती के बाद जब बाबा

दरबार के पट खुले तो मानो भक्तों के धैर्य का बांध टूट पड़ा। पूरा परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। मैदागिन से गोदौलिया के आगे तक और दशाश्वमेध घाट से प्रवेश द्वार संख्या एक होते हुए प्रवेश द्वार संख्या चार के आगे तक श्रद्धालुओं की अटूट कतारें दिखाई दीं। कतारों में कोई हाथ में लुटिया लिए था तो किसी के हाथ में कलश था। किसी की डलिया बेलपत्र-धतूरा, भांग और बैजयंती की माला से सजी थी। कांवड़ियों के केसरिया बाने से काशी की गलियां जैसे भगवा रंग में रंग गईं। ऊपर इंद्रदेव भी भक्तों पर मेहरबान रहे। मेघों ने आसमान पर वितान तान दिया और बीच-बीच में बरसती फुहारों ने उमस से राहत दी। बारिश की बूंदों के बीच भी कतार नहीं टूटी। हर मन में बस एक ही अभिलाषा थी–बाबा के दरबार तक पहुंचना और अपने हाथों से गंगाजल अर्पित करना। घंटों के इंतजार के बाद जब श्रद्धालुओं की बारी आई और उन्होंने बाबा विश्वनाथ के दरबार में पहुंचकर शीश नवाया तो मानो सारी प्रतीक्षा सफल हो गई। किसी ने गंगाजल चढ़ाया, किसी ने गोदुग्ध अर्पित किया और किसी ने बेलपत्र चढ़ाकर भोलेनाथ से सुख-समृद्धि की कामना की। दर्शन के बाद चेहरों पर ऐसी तृप्ति थी, जैसे मन की कोई अधूरी साध पूरी हो गई हो। सावन के 18वें दिन तक श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में लगभग 41 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन और जलाभिषेक कर चुके हैं। तीसरे सोमवार को अकेले मंगला आरती से शयन आरती तक लगभग पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा का दर्शन-पूजन और अभिषेक किया। यह आंकड़ा बताता है कि काशी में सावन केवल पर्व नहीं, बल्कि करोड़ों आस्थाओं को जोड़ने वाला विराट आध्यात्मिक उत्सव है।

सावन की परंपरा के अनुरूप तीसरे सोमवार को श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में बाबा विश्वनाथ की चल रजत प्रतिमा का अर्धनारीश्वर स्वरूप में श्रृंगार किया गया। सायंकाल श्रृंगार आरती के समय बाबा का यह अद्भुत स्वरूप भक्तों के आकर्षण का केंद्र रहा। अर्धनारीश्वर–जहां शिव और शक्ति एक ही स्वरूप में प्रतिष्ठित हैं–का दर्शन करते हुए श्रद्धालु देर तक उस अलौकिक छवि को निहारते रहे। किसी ने हाथ जोड़ लिए, किसी की आंखें नम हो गईं तो कोई उस दिव्य स्वरूप को अपने मन में संजोकर आगे बढ़ गया। दर्शन पाकर श्रद्धालुओं के चेहरे पर कृतज्ञता और हृदय में भक्ति की अनुभूति साफ दिखाई दी। तीसरे सोमवार को काशी की गलियां किसी जीवंत आध्यात्मिक चित्र की तरह नजर आईं। कहीं डमरू निनाद था तो कहीं शंख की ध्वनि। कहीं घंटे-घड़ियाल बज रहे थे तो कहीं कांवड़ियों के कंठ से बोल बम का उद्घोष वातावरण को गुंजायमान कर रहा था। दशाश्वमेध और आसपास के घाटों पर गंगा स्नान के बाद श्रद्धालुओं की टोलियां बाबा विश्वनाथ की ओर बढ़ती रहीं।

नाग पंचमी पर शहर उत्तरी के पांच अखाड़ों को विधायक निधि से मिले 30 लाख के कुश्ती गद्दे

वाराणसी। नाग पंचमी की शाम काशी के अखाड़ों में सिर्फ कुश्ती नहीं हो रही थी, बल्कि परंपरा, रोमांच और पहलवानी के हुनर का ऐसा संगम दिखाई दे रहा था, जिसने दर्शकों को आखिरी मुकाबले तक बांधे रखा। मैट पर पहलवान उतरते तो चारों तरफ से तालियों की गड़गड़ाहट उठती। कोई कसौटा लगाकर प्रतिद्वंद्वी को चित करने की कोशिश करता तो सामने वाला झटके से दांव काटकर बच निकलता। कभी धोबीपाट, कभी कंधा दांव, तो कभी कमर कसकर उठापटक–हर दांव के साथ दर्शकों का उत्साह चरम पर पहुंचता रहा।

खास यह है कि जब नाग पंचमी पर काशी के अखाड़ों में जब पहलवानों ने दांव-पेंच आजमाए तो सदियों पुरानी माटी की महक के साथ आधुनिक खेल सुविधाओं का नया अध्याय भी जुड़ गया। शहर उत्तरी विधानसभा क्षेत्र के पांच प्रमुख अखाड़ों में इस बार पारंपरिक कुश्ती दंगल गद्दे और मैट पर हुआ। कुश्ती की संस्कृति को नई पीढ़ी तक पहुंचाने और स्थानीय पहलवानों को सुरक्षित व बेहतर अभ्यास सुविधा देने के उद्देश्य से राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल ने अपनी विधायक निधि से करीब 30 लाख रुपये की लागत से पांच अखाड़ों को कुश्ती गद्दे उपलब्ध कराए।

महावीर मंदिर अर्दली बाजार, फलाहारी बाबा अखाड़ा शिवपुर, स्वास्तिक व्यायामशाला ढेलवरिया, चतुरी पहलवान व्यायामशाला समेत पांच प्रमुख अखाड़ों में नाग पंचमी

पर इन्हीं गद्दों पर दंगल का आयोजन हुआ। अखाड़े के किनारे खड़े दर्शक हर जोरदार पकड़ और दांव पर सांस थाम लेते। जैसे ही कोई पहलवान प्रतिद्वंद्वी को उठाकर पटकने की स्थिति में पहुंचता, पूरा माहौल तालियों और शोर से गूंज उठता। कई मुकाबलों में पहलवानों ने पहले पकड़ बनाने, फिर दांव आजमाने और मौका मिलते ही पलटवार करने की रणनीति अपनाई।

कुछ मुकाबले तो इतने रोमांचक रहे कि एक पल में बाजी एक पहलवान के पक्ष में दिखती और अगले ही क्षण दूसरा पहलवान पलटवार कर बढ़त बना लेता। मैट पर उतरते ही पहलवानों की आंखों में जीत का जुनून और शरीर में फुर्ती साफ दिखाई देती रही। कुश्ती में ताकत के साथ तकनीक और सही समय पर दांव लगाने का हुनर ही निर्णायक साबित हुआ। यही वजह रही कि दर्शक केवल मुकाबला नहीं देख रहे थे, बल्कि हर दांव-पेंच का आनंद लेते हुए अपने पसंदीदा पहलवान का उत्साह बढ़ाते रहे। दंगल के दौरान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल ने अखाड़ों में पहुंचकर पहलवानों को गद्दे सौंपने के साथ दंगल का उत्साह भी बढ़ाया। उन्होंने कहा कि कुश्ती काशी की पुरानी खेल परंपरा और भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। आधुनिक गद्दे और मैट मिलने से पहलवानों को सुरक्षित अभ्यास के साथ अपनी तकनीक निखारने का अवसर मिलेगा। इससे नई पीढ़ी का रुझान भी पारंपरिक कुश्ती की ओर बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि शहर उत्तरी विधानसभा क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं के लिए सुविधाओं का विकास निरंतर जारी रहेगा। काशी के पारंपरिक अखाड़ों को आधुनिक खेल सुविधाओं से जोड़कर स्थानीय पहलवानों को प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। यानी अखाड़े की मिट्टी में रची काशी की पहलवानी अब सुरक्षित मैट पर अपने हुनर को तराशते हुए बड़े मंच की ओर कदम बढ़ाएगी। मुकाबलों के बाद विजेता पहलवानों के चेहरों पर जीत की चमक दिखाई दी। आयुष जायसवाल ने विजेता पहलवानों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। पुरस्कार मिलते ही अखाड़े में फिर तालियां गूंजीं और पहलवानों का उत्साह बढ़ा। नाग पंचमी का यह दंगल इस संदेश के साथ विदा हुआ कि काशी की अखाड़ा संस्कृति अब परंपरा की मिट्टी से निकलकर आधुनिक मैट पर भी अपनी पहचान को और मजबूत कर रही है। इस अवसर पर आयुष जायसवाल, प्रदीप सोनकर (अध्यक्ष), अरविंद सिंह, अशोक मौर्य, मनोज सोनकर, तारा प्रसाद सोनकर, संतोष कुमार यादव, संदीप रघुवंशी, दिनेश यादव, मदन पहलवान, बीके त्रिपाठी, सुनील शर्मा, अनिल शाव, मुरली उपाध्यक्ष, अमित कुमार मौर्य आदि उपस्थित रहे।

दस हजार से अधिक लर्नर्स को डिजिटल स्किल्स से जोड़ेगा सेल्सफोर्स

रांची। सेल्सफोर्स और डायरेक्टोरेट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, त्रिपुरा सरकार ने डिजिटल स्किल्स की उपलब्धता और वर्कफोर्स रेडीनेस बढ़ाने के लिए साझेदारी की है। इसकी घोषणा अगरतला में डेस्टिनेशन त्रिपुरा बिजनेस कॉन्क्लेव 2026 में की गई। इस पहल के तहत सेल्सफोर्स के ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म ट्रेलहेड के माध्यम से स्टूडेंट्स, युवाओं, सरकारी कर्मचारियों और एंटरप्रेन्योर्स को सेल्फ-पेस्ड लर्निंग उपलब्ध कराई जाएगी। इसका लक्ष्य 2027 तक 10,000 से अधिक लर्नर्स को तैयार करना है। ट्रेलहेड के जरिए सीआरएम, बिजनेस एनालिसिस और टेक्नोलॉजी फंडामेंटल जैसी डिजिटल एवं टेक्नोलॉजी स्किल्स की गाइडेड लर्निंग दी जाएगी।